



डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

को

कुलपति,

कार्यपरिषद्, विद्यापरिषद् के सदस्यगण एवं विश्वविद्यालय परिवार

31वें दीक्षांत समारोह

के अवसर पर

चैत्र, कृष्णपक्ष, सप्तमी विक्रम संवत् 2080 तद्नुसार 14 मार्च 2023, मंगलवार, पूर्वान्ह 10.30 बजे आपको सादर आमंत्रित करते हैं

गौर अतिथि मा. श्री गोपाल भार्गव

कैबिनेट मंत्री

लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग, मध्यप्रदेश शासन

दीक्षांत भाषण डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल

महासचिव भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली

अध्यक्षता मा. प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी _{कलाधिपति}

कुलाधिपति डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर वार्षिक प्रतिवेदन वाचन मा. प्रो. नीलिमा गुप्ता कुलपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

कार्यक्रम स्थल स्वर्ण जयंती सभागार विश्वविद्यालय परिसर, सागर (म.प्र.)

कुलसचिव डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

33,63

पत्रकार-वार्ता

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित 'पत्रकार-वार्ता' में पत्रकार बंधुओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्त्वपूर्ण अकादिमक आयोजन है. इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात् विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं. यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सिम्मिलत हो



रहे हैं. दीक्षांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विश्वविद्यालय में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है.



दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं से स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएच.डी. के 28 छात्रों सिहत कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे. इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को 'इन अब्सेंशिया' उपाधि प्रदान की जायेगी. इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी. प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि छात्र अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस

सामग्री (बुंदेली पगड़ी और स्टोल) दिनांक 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे एवं दिनांक 12 मार्च को दोपहर 02 बजे से 05 बजे से बीच विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में प्राप्त कर सकते हैं. उक्त सामग्री प्राप्त करने के लिए सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को अपना प्रवेश पत्र एवं फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड, पैन कार्ड इत्यादि) लाना अनिवार्य होगा. पंजीकृत छात्र-छात्राएं दीक्षांत पोशाक में ही दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे. छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता-पायजामा एवं

छात्राओं के लिए सफेद सलवार-कुर्ता निर्धारित किया गया है.प्रो. नवीन कानगो ने बताया दीक्षांत समारोह में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को समारोह में निर्धारित स्थान पर बैठना है जिसका विवरण उनके प्रवेश-पास पर स्पष्ट रूप से अंकित है. उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छात्र-छात्राओं को 14 मार्च 2023 को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी है. साथ में आने वाले व्यक्तियों के लिए भी स्थल का निर्धारण किया गया है. सभी को प्रचलित कोविड-19



प्रोटोकॉल के अनुसार मानक प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक है. उन्होंने बताया कि समारोह में शामिल होने वाले सभी छात्र-छात्राएं वेबसाईट पर दिए गये गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए प्रवेश-पास डाउनलोड कर सकते हैं. समारोह के सम्बन्ध में जारी दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक अवलोकन कर लें ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो. पत्रकार वार्ता का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जयसवाल ने किया. आभार ज्ञापन प्रभारी कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने किया. इस अवसर पर ईएमआरसी के निदेशक डॉ पंकज तिवारी, डॉ हिमांशु एवं शहर के गणमान्य पत्रकार बंधु उपस्थित रहे.

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में हुआ दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास गौर प्रांगण में ली विद्यार्थियों उपाधि फाइल और दीक्षांत सामग्री

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के 31वें दीक्षांत समारोह की शोभा यात्रा के पूर्वाभ्यास में विश्वविद्यालय की कुलपित प्रो नीलिमा गुप्ता उपस्थित रहीं. विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, प्रभारी कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं शिक्षक सदस्य, आयोजन समिति के सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे.









विश्वविद्यालय : गौर समाधि प्रांगण में किया गया दीक्षांत पोशाक/उपाधि फ़ाइल का वितरण

दीक्षांत समारोह में सिम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टोल और उनकी डिग्री फाइल का वितरण गौर प्रांगण से किया गया. 12 एवं 13 मार्च को सुबह 11 बजे से सायं 04 बजे तक दीक्षांत सामग्री का वितरण किया गया . विद्यार्थियों ने अपनी इंट्री पास और पहचान पत्र दिखाकर सामग्री प्राप्त की.

कुलपति, कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद सदस्यों सहित मेडल पाने वाले विद्यार्थियों ने किया पूर्वाभ्यास

दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित पूर्वाभ्यास में भाग लिया और विद्वत शोभायात्रा सिहत मेडल प्रदान किये जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता, माननीय कार्यपरिषद सदस्यों एवं विद्यापरिषद के सदस्यों ने भी पूर्वाभ्यास में सहभागिता की.

विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह

बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया. दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि श्री गोपाल भार्गव, माननीय कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया. भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (AIU) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और दीक्षांत भाषण दिया. विश्वविद्यालय की कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपित प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने की. अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई.





राष्ट्र के प्रति कर्तव्यपालन का संकल्प लेकर कार्य करें - कुलाधिपति प्रो. जानी

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और



पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है. विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है. सभागार में मौजूद विद्यार्थियों की पोशाक के माध्यम से बुन्देली अस्मिता के साथ भारतीय अस्मिता को स्थान मिला है. उन्होंने कहा की भारतीय मेधा को बढ़ाने में भारतीय आहार भी अपनी भूमिका निभाते है. उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रारूप निर्माण के लिए डॉ हरीसिंह गौर को उनकी भारतीय सोच के लिए चुना गया था. प्रो. जानी ने डॉ.

गौर के विकट जीवन संघर्षों को याद करते हुए बताया कि डॉ गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उन्नित का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की. आज नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है. नई शिक्षा नीति अंतरअनुशासनिक पद्धित से सर्वांगीण विकास की तरफ विद्यार्थियों को अग्रसर करती है. उन्होंने सभी विद्यार्थियों से राष्ट्र एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति प्रतिबद्ध रहने का अनुरोध किया जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण होगा.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगुरु- डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल

समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (AIU) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल ने

मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी. उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी. उन्होंने विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए बधाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है. उन्होंने पाँच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया. उन्होंने कहा कि यह अवसर





इसलिए खास है क्योंकि अमृतकाल महोत्सव मनाया जा रहा है इसके साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वित हो रही है. डिजिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है और इसके साथ ही भारत जी20 की अध्यक्षता भी कर रहा है. विद्यार्थियों की भी आकांक्षाएँ बढ़ रही है. वे 'लाइफ लॉंग लर्नर' बनने के साथ एक अच्छे इंसान भी बनने के लिए प्रेरित हैं. इन सभी बिंदुओं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्वपूर्ण योगदान है. उन्होंने शिक्षा नीति में नई तकनीक के साथ शिक्षा के पाठ्यक्रम मे बदलाव को रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि

शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत है. एक शिक्षक शिक्षा में सहायक के रूप में काम करेगा. डिजिटल कक्षाओं के संचालन से विद्यार्थी उन्हीं कोर्स को पढ़ेंगे जिसमें उन्हें अच्छे शिक्षक पढ़ाएंगे. डिजिटल शिक्षा में अपनी सुविधा अनुसार विद्यार्थी आईआईटी के प्रोफेसर से पढ़ सकते हैं इसलिए शिक्षक को अपने पढ़ाने की भूमिका पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरु बन सकता है और उसे विश्वगुरु बनाने में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का भी योगदान रहेगा.

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी चेतना और संवेदना के ध्वजवाहक बनें- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय की कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगित यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगित कर रहा है. विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गितविधियों के माध्यम से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है. विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वारा स्वीकृत की गई हैं. शिक्षकों एवं



शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल किये हैं. सांस्कृतिक परिषद् के माध्यम से विद्यार्थियों ने कई पुरस्कार हासिल किये हैं और विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर ख्याित दिलाई है. उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रारम्भ किये गए नए पाठ्यक्रमों, नवीन भवनों और नवाचारी गतिविधियों की जानकारी विस्तारपूर्वक साझा की. विश्वविद्यालय की उपलिब्धयों के साथ उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर भी विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों को साझा किया. उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान बनायेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मानक स्थापित करेंगे. उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि विद्यार्थी डॉ. गौर के पदिचन्हों पर चलकर संस्थान और देश का नाम रोशन करें.

दीक्षांत विद्यार्थी के जीवन का गौरवशाली क्षण होता है- गोपाल भार्गव

मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन

डॉ. गौर विश्वविद्यालय में बीता है. इसलिए मेरा आत्मीय लगाव है. मेरी इस विश्वविद्यालय से जुडी कई स्मृतियाँ हैं. उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें. डॉ. गौर के सपनों को साकार करने के लिए हम सबका कर्तव्य है कि हम सभी देश को एक नई दिशा दें.



विश्वविद्यालय ध्वज के साथ हुआ दीक्षांत शोभायात्रा का आगमन

समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंत शांतिलाल जानी, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद् के माननीय सदस्य इस शोभायात्रा में सम्मिलित हुए. शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे.









54 विद्यार्थियों को स्वर्णपदक,11 अध्ययनशालाओं के यूजी-पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को मिली उपाधि

दीक्षांत समारोह में 54 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई. इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थित में भी डिग्री प्रदान की गई. विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया. समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियाँ प्राप्त कीं.













गौर समाधि पर पुष्पांजलि, नवनिर्मित बालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजिल दी. इसके बाद सभी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित बालक छात्रावास के शिलापट्ट के अनावरण के साथ लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ.





एनसीसी कैडेट्स ने किया सहयोग

दीक्षांत समारोह के पूरे आयोजन में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने अभूतपूर्व सहयोग किया. कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्थानों पर मौजूद रहकर वे अनुशासन एवं सहयोग में तत्पर दिखे. विश्वविद्यालय के प्रोक्टोरियल बोर्ड एवं सुरक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सुरक्षा एवं अनुशासन में सहयोग प्रदान किया. जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी आयोजन में सहयोग किया. दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया और उपाधि प्रदान किये जाने की समस्त कार्रवाई प्रभारी कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने संपन्न कराई. उन्होंने सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन भी किया. सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया गया. कार्यक्रम में सागर शहर के गणमान्य नागरिक सहित विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकगण, सेवारत शिक्षक, अधिकारी, जिला प्रशासन के विभिन्न पदाधिकारी, विद्यार्थी, प्रबुद्ध नागरिकगण, सम्माननीय जनप्रतिधि एवं मीडियाकर्मी बंधु उपस्थित रहे.

















समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

विश्वविद्यालय का 31 वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को, बड़ी संख्या में शामिल होंगे विद्यार्थी



सागर। डॉ हरीसिंह गैर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को आयोजित होगा। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग मंत्री गोपाल भागंव होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिख्नी की महासचिव डॉ पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। विश्वविद्यालय की कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपित प्रों बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित में पत्रकार वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपित प्रों. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीश्रांत समारोह एक महत्वपूर्ण अकादिमिक आयोजन है। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पात्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात् अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीश्रांत समारोह में सम्मिलत हो रहे हैं।

दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएचडी के 28 छत्रों

कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जाएगी

सिंहत कुल 866 छत्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अलावा 1.87 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि प्रदान की जायेगी। इस प्रकार कुल 1053 छत्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी। प्रो. कानगो ने बताया कि छत्र अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (बुंदेली पगड़ी और स्टोल) 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे एवं 12 मार्च को दोपहर 02 बजे से 05 बजे से बीच विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में प्राप्त कर सकते हैं। पंजीकृत छत्र छत्राएं दीक्षांत पोशाक में ही दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे।

स्वर्ण जयंती सभागार में 12 एवं 13 मार्च को होगा पूर्वाभ्यास

प्रो. नवीन कानगों ने बताया कि 12 एवं 13 मार्च को अपराह 3 बजे स्वर्ण जयंती सभागार में पूर्वाभ्यास भी होगा जिसमें पंजीकृत छत्र छत्राएं भी भाग लेंगे। उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छत्र छत्राओं को 14 मार्च को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी होगी। साथ में आने वाले व्यक्तियों के लिए भी स्थल का निर्धारण किया गया है। सभी को प्रचलित कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुसार मानक प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक होगा।

14 से 16 मार्च तक होगा प्रथम राष्ट्रीय महिला छत्र संसद का आयोजन

विश्वविद्यालय की कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि 14 मार्च के दिन ही विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के साथ मिलकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन राष्ट्रीय महिला छत्र संसद भी करने जा रहा है। हमारे विश्वविद्यालय को प्रथम राष्ट्रीय महिला छत्र संसद के आयोजन का सौभाग्य मिला है जिसमें देश के कई विश्वविद्यालयों की छात्राएं भाग लेंगी।

विवि में पहली बार होगी राष्ट्रीय महिला छात्र संसद

दीक्षा दिवस समारोह • डा. हरीसिंह गौर विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में 1053 विद्यार्थियों को दी जाएगी उपाधि

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विवि में 31 वें दीक्षा समारोह की तैयारियां शुरू हो गई हैं। विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में 14 मार्च को बुंदेली पगड़ी पहनाकर विवि के 1053 विद्यार्थियों के लिए अतिथियों हारा डिग्री दी जाएगी। वहीं इस दौरान विवि में पहली बार भारतीय विवि संघ नई दिल्ली के तत्वावधान में राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन भी किया जाएगा। इस तीन दिवसीय आयोजन के लिए विवि परिवसर में नविनिर्मित अभिमंच सभागार में मंच तैयार किया जा रहा है।

दीक्षा समारोह के संबंध में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षा समारोह एक महत्त्वपूर्ण अकादिमक आयोजन है। इसमें विवि के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के बाद अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षा समारोह में सम्मिलत हो रहे हैं। दीक्षा का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है, क्योंकि विवि में रहते, पढ़ते



दीक्षा दिवस समारोह की जानकारी देती हुई कुलपति प्रो . नीलिमा गुप्ता । • नवदुनिया

पगड़ी व सफेद कुर्ता पायजामा होगा ड्रेस कोड

प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि छात्र अपनी हिग्री फाइल और हेस सामग्री (बुंदेली पगड़ी और स्टोल) दिनांक 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11 बजे से शॉम 4 बजे एवं दिनांक 12 मार्च को दोपहर 2 बजे से 5 बजे से बीच विवि के गौर प्रांगण में दी जाएगी। यह सामग्री प्राप्त करने के लिए सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को अपना प्रवेश पत्र एवं

और सीखते हुए अपने अनुभवों को

फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड, पैन कार्ड इत्यादि) लाना अनिवार्य होगा। पंजीकृत छात्र-छात्राएं दीक्षा पोशाक में ही समारोह में शामिल होंगे। छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता-पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार-कुर्ता निर्धारित किया गया है जिसकी व्यवस्था छात्र-छात्राओं को स्वयं करनीं होगी।

समेटना सबसे अन्य अनुभवों में से जानकारी देते हुए एक है। दीक्षा समारोह समारोह में 1053 को मिलेगी प्रणाली के 11 उपाधि : दीक्षा समारोह के मुख्य स्नातक के 439,

समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दीक्षा समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएच.डी. के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि दो जाएगी। इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जाएगी। समारोहं में मुख्य अतिथि लोक निर्माण विभाग मंत्री गोपाल भागंव एवं विशिष्ट अतिथि भारतीय विवि संघ की महासचिव डा. पंकज मित्तल उपस्थित रहेंगी। कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। समारोह की अध्यक्षता विवि के कुलाधिपित प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे।

स्वर्ण जयंती सभागार में कल से होगा पूर्वाभ्यास : प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि दिनांक 12 एवं 13 मार्च को दोपहर 3 बजे से विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में समारोह का पूर्वाभ्यास भी होगा, जिसमें पंजीकृत छात्र-छात्राएं भी भाग लेंगे। समारोह में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को समारोह में निर्धारित स्थान पर बैठना होगा जिसका विवरण उनके प्रवेश-पास पर स्पष्ट रूप से अंकित होगा। उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छात्र-छात्राओं को 14 मार्च 2023 को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी होगी। समारोह में शामिल होने वाले सभी छात्र-छात्राएं वेबसाईट पर दिए गए गूगल फार्म के माध्यम से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए ग्रवेश-पास डाउनलोड कर सकते

तीन दिवसीय राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का होगा आयोजन : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि 14 मार्च के दिन ही विवि में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के साथ मिलकर पहला तीन दिवसीय राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन भी किया रहा है। इस दौरान देश के कई विवि की छात्राएं भाग लेंगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डा. राकेश सोनी ने राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन मीडिया अधिकारी डा. विवेक जायसवाल ने किया व आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर ईएमआरसी निदेशक डा. पंकज तिवारी, समध दीक्षित, डा. हिमांशु उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय का 31 वाँ दीक्षांत समारोह 14 मार्च को, बड़ी संख्या में शामिल होंगे विद्यार्थी



सागर, प्रदेश टाईम्स। डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च 2023 को आयोजित होगा । विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव, माननीय कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिली (ब्रू) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित में 'पत्रकार-वार्ता' में पत्रकारों बंधुओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्तवपूर्ण अकादिमक आयोजन है. इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठयक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं. यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं. दीक्षांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विश्वविद्यालय में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है।दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगों ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं स्नातक के 439. पीजी ३९९ एवं पीएच.डी. के २८ छात्रों सहित कल ८६६ छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे. इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को 'इन अब्सेंशिया' उपाधि प्रदान की जायेगी. इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी पंजीकत छात्र-छात्राएं दीक्षांत पोशाक में ही दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे. छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता-पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार-कुर्ता निर्धारित किया गया है जिसकी व्यवस्था छात्र-छात्राओं को स्वयं करनी होगी ।14 से 16 मार्च तक होगा प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि 14 मार्च के दिन ही विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिली के साथ मिलकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन 'राष्ट्रीय महिला छात्र संसद' भी करने जा रहा है, हमारे विश्वविद्यालय को 'प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद' के आयोजन का सौभाग्य मिला है जिसमें देश के कई विश्वविद्यालयों की छात्राएं भाग लेंगी. उन्होंने कहा कि यह आयोजन महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी ।

डॉ. गीर विवि का 31वां दीक्षांत समारोह 14 को



866 छात्र-छात्राओं

को मिलेगी उपाधि

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह 14मार्च को विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया जाएगा ।समारोह में

मु य अतिथि मप्र सरकार के मंत्री गोपाल भार्गव एवं

भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. श्रीमती पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

यह जानकारी शुक्रवार को पत्रकारों से करते हुए कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया दीक्षांत समारोह महत्त्वपूर्ण अकादिमक आयोजन है। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के बाद उपाधि लेने छात्र शामिल होते हैं। समारोह के मुय समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययन शालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं

पीएचडी के 28 छात्रों सहित 866 छात्र उपाधि दी जाएगी। इसके

अलावा 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि दी जायेगी। उपाधि 11 से 13 मार्च तक दी जाएंगी। दीक्षांत समारोह में शामिल होंने वाले छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता.पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार कुर्ता निर्धारित किया गया है, ड्रेस की व्यवस्था छात्र- छात्राओं को स्वयं करनी होगी।

प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया 14 से 16 मार्च तक विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के साथ मिलकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन होगा। इसमें देश के कई विश्वविद्यालयों की छात्राएं भाग लेंगी। आयोजन महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी तय करने मील का पत्थर साबित होगी। सांस्कृतिक परिषद् के समन्वयक डॉ. राकेश सोने ने राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। पत्रकार वार्ता का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ विवेक जयसवाल ने किया। आभार कुलसविव संतोष सोहगौरा ने माना।

विविका 31वां दीक्षांत समारोह आज, 1053 को मिलेगी डिग्री

पीडबन्दडी मंत्री गोपाल भागंब होंगे मुख्य अतिथि 3 १वर्ग रीकांत समारोज स्थार्ग जयंत्री ध्यातार में सुबार 10.30 खने से श्रामनीय य वार्तिक प्राप्ति प्रतिवेदन प्रस्तत अध्यक्षता कुलाधियति प्रा सम्मानसाय प्राणिकमाल जानी करेंगे। समारोह में 11 अध्ययनशाला में प्नातक के 439, पीजी के 399 एवं पीएवरी के 28 विद्यार्थियों सहित कुल 866 विद्यार्थी उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त 187 विद्याधियों को इन अब्बेरिया उच्चचि दी आएगी। इस प्रकार कुरन 1053 विद्याधियों को उपाधि दी मार्थितः विकासी ब्हेली पार्थिक क्श-भूषा में डिग्री प्राप्त करेंग। बोल सम्प्रयोह का लाइव प्रसारण र्वयम आरमी सागर के कूरमुम चनता वापगा। प्रकानकार को ही विश्वि के नविनिपंत सानक छात्रकास का लोकार्पण भी होगा। दोखांत समारोह के मुख्य समन्व्यक प्रो. नवीन कानगा ने बताया कि सर्वोच्च अंक गाने वाले विद्यार्थियों को मेहल दिए जारंग। दोखांत समारोह को लेकर सामवार को स्वर्ण जयंती सभागार में पूर्वाच्यास हुआ। इसमें कुलपति ग्रो. त्रीलिमा गुप्ता सहित ईसी, एसी सदस्य एवं अन्य लोग शामिल हुए। गीर समाधि प्रांगण में दीक्षांत सामग्री का वितरण किया गया।

पिलेट को लेकर विद्यार्थियाँ को करेंगे जागरुक, जी-ज्वार पकवान खाएंगे अतिथि दीश्रांत समारोह में शामिल हो रहे अतिथियों को जी-ज्वार पकवान भी परोसे जाएंगे। इसके साथ ही रागी, जी-ज्वार, बाजरा, कुटकी, कोदों भी उन्हें भेंट किया अंतरराष्ट्रीय अनाज वर्ष-2023 के विवि के नोडल आधकारी डॉ. आभिषेक जैन के मुताबिक मोटा अनाज के प्रति विद्यार्थियां को जागरक करने के उद्देश्य से फूड पैकेट के साध मोटा अनाज के जागरकता पत्रक भी दिए जाएंगे।

ाद, ग़ौर या,

夏季用巴向铁百

विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह 14 को

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च 2023 को आयोजित होगा । विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भागंव, माननीय कैबिनेट मंत्री, लोक निमाण विभाग, कुट्टीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिख्ये को महासचिव डॉ. (श्रीमतो) पंकज मत्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। विश्वविद्यालय को कुलपति प्रो. नीलिमा गुमा वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तत करेंगी. समारोह

की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित में 'पत्रकार-वार्ता' में पत्रकारों बंधुओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नौलिमा गुमा ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है. इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पात्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात् अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शांमिल होते हैं. यह अत्यंत हुए का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सामिलत हो रहे हैं।

दीषांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विश्वविद्यालय में रहते, पहते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगों ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययन शालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएच.डी. के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर



उपाधि प्राप्त करेंगे. इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को 'इन अब्सेशिया' उपाधि प्रदान की जायेगी. इस प्रकार कुल 1053 खत्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी.

11 से 13 मार्च तक होगा सामग्री वितरण

प्रो. नवीन कानगों ने बताया कि छात्र अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (बुंदेली पगड़ी और स्टोंल) दिनांक 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे एवं दिनांक 12 मार्च को दोपहर 02 बजे से 05 बजे से बीच विश्वविद्यालय के ग़ौर प्रांगण में प्राप्त कर सकते हैं. उक्त सामग्री प्राप्त करने के लिए सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को अपना प्रवेश पत्र एवं फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड, पैन कार्ड इत्यादि) लाना अनिवार्य होगा।

पंजीकृत छात्र-छात्राएं दीक्षांत पोशाक में ही दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे. छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता-पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार-कुर्ता निर्धारित किया गया है जिसकी व्यवस्था छात्र-छात्राओं को स्वयं करनी होगी।

12 एवं 13 मार्च को होगा पूर्वाभ्यास

प्रो. नंबीन कानगों ने बताया कि दिनांक 12 एवं 13 मार्च 2023 को अपराह 3.00 बजे स्वर्ण जयंती सभागार में पूर्वाभ्यास भी होगा जिसमें पंजीकृत छात्र-छात्राएं भी भाग लेंगे. दीक्षांत समारोह में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को समारोह में निर्धारित स्थान पर बैठना होगा जिसका विवरण उनके प्रवेश-पास पर स्पष्ट रूप से अंकित होगा. उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छात्र-छात्राओं को 14 मार्च 2023 को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी होगी. साथ में आने वाले व्यक्तियों के लिए भी स्थल का निर्धारण किया .या है. सभी को प्रचलित कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुसार मानक प्रिक्रिया का पालन करना आवश्यक होगा। उन्होंने बताया कि समारोह में शामिल होने वाले सभी छात्र-छात्राएं वेबसाईट पर दिए गये गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए प्रवेश-पास डाउनलोड कर सकते हैं. समारोह के सम्बन्ध में जारी दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक अवलोकन कर लें ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो।

प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन

विश्वविद्यालय की कुलपित प्रो. नीलिंग गुप्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि 14 मार्च के दिन ही विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के सीध मिलकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन 'राष्ट्रीय महिला छत्र संसद' भी करने जा रहा है. हमारे विश्वविद्यालय को 'प्रथम राष्ट्रीय महिला छत्र संसद' के आयोजन का सीभाग्य मिला है जिसमें देश के कई विश्वविद्यालयों की छत्राएं भाग लेंगी. उन्होंने कहा कि यह आयोजन महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी को सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी. उन्होंने सभी पत्रकार बंधुओं का अभिनंदन करते हुए सभी कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की. सांस्कृतिक परिषद् के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने राष्ट्रीय महिला छत्र संसद के आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। पत्रकारवार्त का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जयसवाल ने किया। आभार ज्ञापन कुलसचिव श्री संतोष सोहगौरा ने किया। इस अवसर पर इएमआरसी निदेशक डॉ एंकज तिवारी, डॉ हिमांशु एवं शहर के गणमान्य पत्रकार बंध उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय का 31 वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को, बड़ी संख्या में शामिल होंगे विद्यार्थी

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर केन्दीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को आयोजित होगा। विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव मंत्री होंगे ਧਕੰ भारतीय विवि संघ नई दिल्ली एआईयू की महासचिव डॉ. मित्तल विशिष्ट

अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित में पत्रकार वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्त्वपूर्ण अकादिमक आयोजन है। इसमें विवि के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं। दीक्षांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विवि में रहते, पढते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि इस दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययन शालाओं स्नातक के 439,



पीजी 399 एवं पीएचडी के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि प्रदान की जायेगी। इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी। छात्र अपनी छिग्नी फाइल और डेस

सामग्री बुंदेली पगड़ी और स्टोल 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे एवं 12 मार्च को दोपहर 2 बजे से 5 बजे से बीच विवि के गौर प्रांगण में प्राप्त कर सकते हैं। उक्त सामग्री प्राप्त करने के लिए सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को अपना प्रवेश पत्र एवं फोटो पहचान पत्र आधार कार्ड पैन कार्ड इत्यादि लाना अनिवार्य होगा। पंजीकत छात्र छात्राएं दीक्षांत पोशाक में ही दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। छात्रों के लिए ड्रेस कोंड सफेद कुर्ता पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार कुर्ता निर्धारित किया गया है जिसकी व्यवस्था छात्र छात्राओं को स्वयं करनी होगी। उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छात्र छात्राओं को 14 मार्च को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी होगी। पत्रकारवार्ता का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जयसवाल ने किया। आभार ज्ञापन कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने किया। इस अवसर पर इएमआरसी निदेशक डॉ.पंकज तिवारी, डॉ. हिमांश उपस्थित रहे।

विवि का 31 वाँ दीक्षांत समारोह 14 मार्च को, शामिल होंगे विद्यार्थी

म.प्र. कैबिनेट मंत्री पं.गोपाल भार्गव होंगे मुख्य

सागर। डा. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च 2023 को आयोजित होगा। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में मख्य अतिथि गोपाल भार्गव, कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। विश्वविद्यालय की कलपति प्रो. नीलिमा गप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे।

दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित में पत्रकार-वार्ता में पत्रकारों बंधओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कलपति प्रो. नीलिमा गप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्तवपूर्ण अकादिमक आयोजन है। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए

दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं। दीक्षांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क यो कि विश्वविद्यालय में रहतेए पढते और सीखते हुए अपने अनुभवों समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है।

दोपहर 02 बजे से 05 बजे से बीच विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में

पत्रकारवार्ता का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जयसवाल ने किया। आभार ज्ञापन कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने किया। इस अवसर पर इएमआरसी निदेशक डॉ पंकज तिवारी, डॉ हिमांशु एवं शहर के गणमान्य पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

11 से 13 मार्च तक होगा सामग्री वितरण

प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि छात्र अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री ;बुंदेली पगड़ी और स्टोलद्ध दिनांक 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे एवं दिनांक 12 मार्च को

देश में राष्ट्रीय महिला छात्र संसद की मेजबानी करेगा सागर विवि

प्रवेश संवाद 🦛 सागर

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन देश में पहली बार होने जा रहा है। खास बात तो यह है कि इस आयोजन की मेजबानी डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को दी गई है। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम का आयोजन 14 से 16 मार्च तक किया जाएगा। जिसमें देशभर के विश्वविद्यालयों से छात्राएं भाग लेंगी। आयोजन को लेकर शक्रवार को पत्रकारवार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजन के



प्रभारी डॉ. राकेश सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय महिला छात्र संसद को लेकर देशभर से विश्वविद्यालयों की एंट्री आ रही है। अब तक महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ और असम समेत 15 राज्यों के विश्वविद्यालयों ने

सहभागिता सनिश्चित की है। कलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि पहली बार आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता के लिए हमने खास तैयारियां की हैं। यूजीसी से गइडलाइन मिलने के बाद विश्वविद्यालय में एक कृत्रिम संसद भी बनाई जा रही है। कार्यक्रम का उद्घाटन

14 मार्च को दोपहर 2 बजे से किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल होंगी। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में यजीसी के संयक्त सचिव डॉ. बलजीत सिंह, कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी और विधायक शैलेंद्र जैन व महापौर संगीता सुशील तिवारी मौजुद रहेंगे। पत्रकारवार्ता का संचालन डॉ. विवेक जायसवाल ने किया और आभार प्रभारी कलसचिव डॉ. संतोष सोहगीरा ने माना।

दीक्षांत समारोह में 886 को मिलेगी डिग्री

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के पीजी के 399 और पीएचडी के 28 स्वर्ण जयंती सभागार में 14 मार्च को 31वें दीक्षांत समारोह का आयोजन होने जा रहा है। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. नवीन कान्गो ने जानकारी देते हुए बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि मप्र शासन के लोकनिर्माण मंत्री गोपाल भागंव होंगे। वहीं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल रहेंगी। इस दौरान यूजी के 439,

विद्यार्थी यानी कल 886 विद्यार्थियों को समारोह के दौरान डिग्री प्रदान की जाएगी। वहीं 187 विद्यार्थियों को डाक द्वारा डिग्री भेजने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा अलग-अलग स्कुली के टॉपर 54 विद्यार्थियों को मंच से गोल्ड मेडल दिया जाएगा। इस दौरान कलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि सागर विश्वविद्यालय के केंद्रीय बनने के बाद से यह 5वां दीक्षांत समारोह है।

स्वर्ण जयंती सभागार में हुआ दीक्षांत समारोह का रिहर्सल

- गौर पांगण में ली विद्यार्थियों ने डिग्री और दीक्षांत सामग्री
- आज भी होगा रिहर्सल और सामग्री वितरण

सागर, देशबन्ध। हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में 31 वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को विवि के स्वर्णजयंती सभागार में आयोजित किया जा रहा है। इसकी पूर्व तैयारी जोरों पर है।

रविवार को स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत समारोह की शोभा यात्रा के पूर्वाभ्यास में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता उपस्थित रहीं। कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं शिक्षक सदस्य आयोजन समिति के सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टोल और उनकी डिग्री फाइल का वितरण गौर प्रांगण से किया जा रहा है। आज भी सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक दीक्षांत सामग्री का





विवरणं किया जाएगा। विद्यार्थी निर्देशानुसार अपनी इंट्री पास और पहचान पत्र दिखाकर सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। दीक्षान्त समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी छात्र-छात्राओं को निर्धारित परिधान कुर्ता पायजामा एवं सलवार कुर्ता एवं विवि द्वारा प्रदत्त बुंदेली पगडी, स्टोल में आना अनिवार्य है। सभी छात्र छात्राएं निर्धारित समय पर समारोह स्थल पर पहुंचे और जारी किए गए दिशा निर्देशों

कृतपति, कार्यपरिषद व विद्यापरिषद सदस्यों सहित मेडल पाने वाले विद्यार्थियों ने किया पूर्वाभ्यास

केंद्रीय विश्वविद्यालय का 31 वां दीक्षांत समारोह आज 1053 छात्र-छात्राओं को प्रदान की जाएगी उपाधि



मानाः। ह्यं हर्गिसंह रीतं केन्द्रीय में सुबह 10.30 बजे से अव्योजित होगा। इस वर्धानकारण सागर का ३१था दीवांत सम्बद्ध

टीशाट समारोह में मुख्य अतिथि लोक निर्माण विभाग, कटीर और ग्रामीण उद्योग मंत्री गोपाल

नां दिल्ली की महासचिव डॉ पंकाज मितल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेगी। समारोह में विश्वविद्यालय की कलपति प्रो रीलिमा गुरा स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिबेदन प्रस्तुत करेंगी। दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएचडी. के 28 खत्रों सहित कल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेशिया उपधि प्रदान की जायेगी। इस प्रकार कल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी। समारोह में समस्त विद्यार्थी ब्न्देली पारंपरिक वेश भूषा में अपनी उपधियां प्राप्त करेंगे। टीशांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो नवीन कानगो ने बताया कि सर्वोच्य अंक पाने

मेडल प्रदान किया जाएगा। उपाधि पाने वाले सभी छत्र खत्राएं निर्धारित परिधान एवं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किये बुन्देली पगढी एवं स्टोल में ही सम्मिलत होंगे। दीशांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों शिषकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागर में आयोजित पूर्वाभ्यास में भाग लिया और विद्वत शोभायात्रा सहित मेडल प्रदान किये जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया। इस अखसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुरा, कार्यपरिषद सदस्यों एवं विद्यापरिषद के सदस्यों ने भी पूर्वाभ्यास में सहभागिता की। दीकांत समारोह में शामिल होने वाले समस्त लत्र लताओं के दीश्रांत पोशाक का वितरण गौर समाधि प्रांगण से किया गया।

दीक्षांत समारोह, राष्ट्रीय महिला छात्र संसद आज

नवभारत न्यूज सागर 13 मार्च. डॉ हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह स्वर्ण जयंती सभागार में 14 मार्च को आयोजित होगा.

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री गोपाल भागव, एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ.श्रीमती पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी. समारोह में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के



कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे.

नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न होगा. अभिमंच सभागार में 14 मार्च को दोपहर 2 बजे से भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के तत्त्वावधान में तीन दिवसीय प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का भी शुभारंभ होगा.

म.प. कैबिनेट मंत्री गोपाल भार्गव होंगे मुख्य अतिथि, भारतीय विवि संघ की महासचिव डॉ. मित्तल होंगी विशिष्ट आताथ

विश्वविद्यालय का 31 वाँ दीक्षांत समारोह आज, कार्यक्रम होंगे



प्रकार, अस्परात संबाददाता।

पानार्थं, वर्तिक पेर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मारत का अग्र्य देखार सम्पर्धेत अग्र्य क्रिकेश्वीक्षालय के अर्था जयनते संस्थापर में मुख्य 10.30 अने में अर्थानिक संग्रेग क्रां अर्थानिक स्थापित में मुख्य अर्थित गोमाल भागेत, मैकिटेट गई, एकेट विश्वेण विश्वास सुद्धेत अर्थानिक स्थाप अर्था, साम सम्बद्धा क्षेत्र पूर्व भागतेत विश्वविद्यालय स्थाप, जुं विश्वे भी प्रमाणविद्यालय स्थाप स्थापन विश्वव्य विश्वव्य अर्थित के साथ में उपयिक्त प्रेणी, सम्पर्धेत प्रोग्नी विश्वविद्यालय स्थापन विश्वव्य अर्थित पूर्व व्यापन व्यापन क्षाप्य के प्राप्त के विश्वव्य भागाय क्षाप्त स्थापन स्थापन विश्वव्य अर्थित प्रतिक्ष स्थापन स्थापन विश्वव्य विश्वव्य विश्वव्य स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

करेंगे। देखीर प्रधारेंड में मोबीमीएम प्रणालों के 11 अध्ययनशालाओं स्वाटक के 439, पोजों 399 एवं पीएय ती. के 28 वाजों सर्वित कुल 866 वात्र उपस्थित होकर उपस्थि प्रश बरेंगे, हानके अतिरंक 187 विद्यापियों को 'इन अध्ययित्य' उपधि प्रदान की जागेंगी, इस प्रकार कुल 1053 वाजों को उपधि प्रदान की जागेंगी।

युट्यूब पर होगा दीक्षांत समारोह का लाइव प्रसारण

समावेद में समान विद्यार्थ सुन्देनों पार्थाक वेश-भूष में अपनी उपविधा प्रत करेंगे. प्रेशन समावेद के समूर्य करवडम का लाइव प्रसान विश्वविद्यालय के इंप्स-आरसी सागर के पूर्वव वीजन से किना आएन पूर्व्य वैजन को तिक विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर

जलान कर्या र्या है। कार्यका में विश्वविद्यालय के संस्थितित विश्वकाण, सेवार जिल्का, अध्यक्षीओ, विद्यालियों, प्रमुद्ध कार्यकाण, साम्यक्षित अन्योजियमें एवं सीडियाकर्ण संपर्ध को अध्योक्त किया एवं है।

नवीन बालक छात्रावास का भी होगा लोकार्पण

दोशांत सम्बदेश के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य आहित तीर सम्बद्धि या पुण्यांनीत देश पुण्यांनीत कर्णक्रम के पक्षात सभी गणमान्य अहितियों की तरिमानयी उर्जास्थित में नवन्तियोंना करक व्यापास का लोकार्यण कार्यक्रम संस्त्र होगा।

नवानां बातक खावान के एक्ट स्थानक है नहीं न कारणे ने कारण के हवीया अब यह वहले स्थानक है नहीं कारणे के मुख्य स्थानक है नहीं न कारणे ने कारण के हवीया अने यह वहले विद्याधियों के स्थान अपनी है। यह में कारणे कारणे की यह है यूर्व, ये के अपने प्राप्त के कारणे प्राप्त के स्थान कारणे की प्राप्त के कारणे प्राप्त के कारणे कारणे कारणे कारणे के अनुस्क्ष समय पूर्व निर्धारित स्थान प्राप्त कर ले. उपीध याने वाले सभी कारण कारणे के अनुस्क्ष समय पूर्व निर्धारित स्थान प्राप्त कर ले. उपीध याने वाले सभी कारण कारणे किसीत परिधान (कार, सभीर कुर्त-प्रथणाम एवं कारणे सलकर कुर्ता) एवं विश्वविद्यालय हुए प्रयुक्त किसी बुन्दैली प्राप्त एवं करतेल में हैं स्थिमिता होंगे।

एनसीसी कैडेट्स करेंगे बैठक व्यवस्था में सहयोग

दोशांत समाग्रेह आयोजन में सक्तयेग के लिए विश्वविद्यालय के एनसीओं केन्द्रेश ने भी पृथ्वीस में भाग लिया. पूरे कार्यक्रम के दौरान एनसीओं और अनुस्थान सामित के सदस्य विभिन्न स्थानों पर अनुस्थान एवं साध्येग के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

मैडल पाने वाले विद्यार्थियों ने किया पूर्वाध्यास

दोक्षत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्को एवं ऑफकोरयों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जवनी सभागार में आयोजित पूर्वप्यास में भाग शिक्ष और विद्युत लोभावाज मजेत मेजल प्रदान किये जाने की पूरी प्रक्रिया के संख्यानर का पूर्वाप्यास किया। इस अवस्य पर विश्वविद्यालय को कुलपीत प्रो. नीलामा गुला, कार्यपरिषद घटस्मी एवं विद्यार्थियद के सहस्यों में भी पूर्वाभ्यास में साम्भागित जी।

विद्यार्थियों को दी पगड़ी। स्टॉल व उपाधि, सोमवार को अंतिम रिहर्सल

स्वर्ण जयंती सभागार में हुआ विवि के दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

B 000

सागर. डॉक्टर हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय का 31 वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को स्वर्ण जयंती सभागार में होगा। रिववार को आयोजन से पूर्व पूर्वाभ्यास किया गया। दोपहर 3 बजे समारोह की शोभायात्रा में कुलपित भी मौजूद रहीं। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टॉल और उपाधि का वितरण गौर प्रांगण से किया गया।

सोमवार 13 मार्च को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच समारोह का अंतिम पूर्वाभ्यास किया जाएगा। मुख्य समन्वयक प्रो नवीन कानो ने बताया कि समारोह में सम्मिलित होने



वाले सभी छात्र-छात्राओं को निर्धारित परिधान (कुर्ता-पायजामा एवं सलवार-कुर्ता) एवं विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध बुंदेली पगड़ी, स्टॉल में निर्धारित समय से पूर्व सभागार में तय स्थान पर बैठना होगा। पूर्वाभ्यास के मौके पर कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं प्राध्यापक, आयोजन समिति सदस्य, अधिकारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय का 31 वां दीक्षांत समारोह आज

बुन्देली वेश-भूषा में विद्यार्थी प्राप्त करेंगे उपाधि, मंत्री गोपाल भार्गव होंगे मुख्य अतिथि

सागर, देशक्ष्वस्यु। डॉ. हरीसिंह गौर केन्दीय विवि का 31वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में सुबह 10.30 बजे से आयोजित होगा। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भागंव कैकिनेट मंत्री होंगे एवं भारतीय विवि संघ नई दिल्ली एआईयू की महासचिव डॉ.पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। विशिष्ट अतिथि डॉ.पंकज मित्तल का दीक्षांत भाषण होगा। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययन शालाओं स्नातक के 439,

पीजी 399 एवं पीएचडी के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त 187 बिद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि प्रदान की जायेगी। इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी। दीक्षांत समारोह के आरंभ होने से पूर्व गणमान्य अतिथि गौर समाधि पर पृथ्यांजिल देंगे। पृथ्यांजिल कार्यक्रम के पश्चात सभी गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में नविनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न होगा। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र-छात्राओं के



दीक्षांत पोशाक बुन्देली पगड़ी और स्टोल का वितरण गौर समाधि प्रांगण से किया गया। इसी स्थल पर विद्यार्थियों ने अपनी डिग्री फाइल भी प्राप्त को। विवि के अभिमंच सभागार में 14 मार्च को दोपहर 2 बजे से भारतीय विवि संघ, नई दिख्नी एआईयू के तन्वावधान में तीन दिवसीय प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का भी शुभारम्भ होगा। उक्त कार्यक्रम में देश के कई विवि को छात्राएं प्रतिभागिता करेंगी। देश में पहली बार महिला छात्र संसद का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

पूर्वाभ्यास में विवि की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता थी उपस्थित दीक्षा समारोह की शोभायात्रा किया पूर्वाभ्यास, आज वितरित होगी सामग्री



दीक्षा समारोह की पूर्व रिहर्सल के दौरान विद्यार्थियों ने पगड़ी पहनकर अन्य तैयारी की। 🍩 जवदुनिया

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के 31 वें दीक्षा समारोह में विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की पूर्व तैयारी जोरों पर है। स्वर्ण जयंती सभागार में रविवार को दीक्षा समारोह की शोभा यात्रा के पूर्वाभ्यास में विवि की कुलपित प्रो नीलिमा गुप्ता उपस्थित थी।

दीक्षा समारोह में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टोल और उनकी डिग्री फाइल का वितरण गौर प्रांगण से किया जा रहा है। 13 मार्च को भी सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक दीक्षा सामग्री का वितरण किया जाएगा। विद्यार्थी निर्देशानुसार अपनी इंट्री पास और पहचान पत्र दिखाकर सामग्री प्राप्त कर सकते हैं।

दीक्षा समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो नवीन कानगो ने बताया कि समारोह में सम्मिलत होने वाले सभी छात्र-छात्राओं को निर्धारित परिधान (कुर्ता-पायजामा एवं सलवार-कुर्ता) एवं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त बुंदेली पगड़ी; स्टोल में आना अनिवार्य है। सभी छात्र-छात्राएं निर्धारित समय पर समारोह स्थल पर पहुँचे और जारी किए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, कुलसचिव संतोष सोहगौरा मौजूद थे।

विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में हुई दीक्षांत समारोह की रिहर्सल

गौर प्रांगण में ली विद्यार्थियों ने डिग्री और दीक्षांत सामग्री

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया जा रहा है। इसकी पूर्व तैयारी जोरों पर है। रविवार को अपराह्न 03 बजे से स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत



समारोह की शोभा यात्रा के पूर्वाभ्यास में विश्वविद्यालय की कुलपित प्रो नीलिमा गुप्ता उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, कुलसिचव संतोष सोहगौरा एवं शिक्षक सदस्य, आयोजन सिमित के सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। दीक्षांत समारोह में सिम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टोल और उनकी डिग्री फाइल का वितरण गौर प्रांगण से किया जा रहा है। 13 मार्च को भी सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक दीक्षांत सामग्री का वितरण किया जाएगा। विद्यार्थी निर्देशानुसार अपनी एंट्री पास और पहचान पत्र दिखाकर सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। दीक्षान्त समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो नवीन कानगो ने बताया कि समारोह में सिम्मिलित होने वाले सभी खत्र खत्राओं को निर्धारित परिधान कुर्ता-पायजामा एवं सलवार-कुर्ता एवं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त बुंदेली पगड़ी, स्टोल में आना अनिवार्य है। सभी छत्र छत्राएं निर्धारित समय पर समारोह स्थल पर पहुंचे और जारी किए गए दिशा निर्देशों का पालन करें ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो।

dainikbhaskar.com

विश्वविद्यालय॰ कन्वोकेशन १४ को स्वर्ण जयंती सभागार में होगा, मंत्री गोपाल भार्गव होंगे मुख्य अतिथि

दीक्षांत समारोह में 1053 विद्यार्थियों को दी जाएगी डिग्री, 54 को मेडल, आज से मिलेगी सामग्री, रिहर्सल कल से

भारकर सेवाददाता सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को स्वर्ण जयंती सभागार में होगा। इसमें 1053 विद्यार्थियों को उपाधि दी जाएगी। जबिक 54 विद्यार्थियों को विवि मेडल से सम्मानित किया जाएगा। इस बार विद्यार्थियों को कांस्य की जगह गोल्ड मेडल दिए जाएंगे। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव होंगे। विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल होंगी। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। शुक्रवार को पत्रकारवार्ता में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा दीक्षांत समारोह एक महत्वपूर्ण अकादिमक आयोजन है। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में

दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं। दीक्षांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विवि में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है। समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशाला में स्नातक के 439, पीजी के 399 एवं पीएचडी के 28 विद्यार्थियों सहित कुल 866 विद्यार्थी उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। जबकि 187 विद्यार्थियों को इन असेशियल उपाधि दी जाएंगी। विद्यार्थी अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (बंदेली पगड़ी और स्टॉल) 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11 से शाम 4 बजे एवं 12 मार्च को दोपहर 2 से 5 बजे के बीच विवि के गौर प्रांगण में प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए पंजीकृत विद्यार्थियों को अपना प्रवेश पत्र एवं फोटो पहचान पत्र लाना

विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए अनिवार्य होगा। पंजीकृत विद्यार्थी दीक्षांत दीक्षांत समारोह में सिम्मिलित हो रहे हैं। दीक्षांत पोशाक में ही समारोह में शामिल होंगे। छात्रों के का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता-पायजामा एवं रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विवि में छात्राओं के लिए सफेद सलवार-कुर्ता निर्धारित रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को किया है जिसकी व्यवस्था छात्र-छात्राओं को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है। करनी होगी।

12-13 मार्च को कराया जाएगा पूर्वाभ्यास

प्रो. कानगो ने बताया 12 एवं 13 मार्च को दोपहर 3 बजे से स्वर्ण जयंती सभागार में पूर्वाभ्यास भी होगा। जिसमें पंजीकृत विद्यार्थी भी भाग लेंगे। विद्यार्थियों को 14 मार्च को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी होगी। साथ में आने वाले व्यक्तियों के लिए भी स्थल का निर्धारण किया गया है। समारोह में शामिल होने वाले सभी विद्यार्थी वेबसाइट पर दिए गए गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए प्रवेश-पास डादनलोड कर सकते हैं।

14 से विश्वविद्यालय में पहली राष्ट्रीय महिला छात्र संसद लगेगी

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया 14 मार्च को ही विवि में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के साथ मिलकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय महिला छात्र संसद भी शुरू होगी। विवि को पहली राष्ट्रीय महिला छात्र संसद की मेजबानी मिली है। इसमें देश के विभिन्न राज्यों की छात्राएं भी हिस्सा लेंगी। यह आयोजन महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने किया। आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने माना।

विवि ध्वज के साथ चले अधिकारी और शिक्षक, पूरे कार्यक्रम का हुआ पूर्वाभ्यास

ढीक्षांत समारोह कल : आज भी होगा अभ्यास, डिग्री-सामग्री भी बांटी जाएगी

भास्कर संवाददाता सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को स्वर्ण जयंती सभागार में होगा। इसकी रिहर्सल रविवार को स्वर्ण जयंती सभागार में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की मौजूदगी में हुई। विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं शिक्षक, आयोजन समिति के सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी इसमें शामिल हुए। दीक्षांत समारोह के दौरान विद्यार्थी किस तरह से अपने मेडल लेने आएंगे, जब डिग्री दी जाएंगी तो किसे क्या करना है, कौन अतिथि, अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक, विद्यार्थी कहां बैठेगा, इन सभी की रिहर्सल की गई। पूर्वाभ्यास किया गया



सागर। स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत समारोह की रिहर्सल हुई।

कि दीक्षांत समारोह के दिन किस तरह से अतिथियों के आते ही फोटोग्राफी होगी। प्रोटोकॉल के अनुसार कुलसचिव विवि का ध्वज लेकर चलेंगे। साथ में अतिथि, कुलाधिपति, कुलपति, समारोह के मुख्य समन्वयक, परीक्षा नियंत्रक, शिक्षक, विद्यार्थी प्रतिनिधि आदि चलेंगे। यहां से सभी सीधे स्टेज पर पहुंचेंगे। जहां कुलाधिपति की

घोषणा के साथ ही दीक्षांत समारोह विधिवत शुरू हो जाएगा। इसके बाद अन्य गतिविधियां चलेंगी। सोमवार को भी इसी की रिहर्सल की जाएगी। ताकि दीक्षांत समारोह के दिन कोई कमी न रह जाए। या जो कमी है, उसे दूर कर

लिया जाए।

बुंदेली पगड़ी, स्टॉल के साथ डिग्री का वितरण : दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टॉल और उनकी डिग्री फाइल का वितरण गौर प्रांगण से किया गया। सोमवार को भी सुबह 11 से शाम 4 बजे तक दीक्षांत सामग्री का वितरण किया जाएगा। विद्यार्थी अपना एंटी पास और पहचान पत्र दिखाकर सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि सभी विद्यार्थी निर्धारित समय पर पहुंचे।

विवि का 31वां दीक्षांत समार 14 को, राष्ट्रीय महिला संसद हं

नवभारत न्युज सागर 10 मार्च. डॉ. सर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 31 वा दीक्षांत समारोह 14 मार्च को आयोजित किया जा रहा है. इसके साथ ही त्रिदिवसीय महिला छात्र संसद का प्रथम आयोजन भी होने जा रहा है.

विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति में समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कांगों ने पत्रकारों को बताया कि समारोह के सुचारू संचालन हेतु 19 समितियां गठित की गई हैं. कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव होगें. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय विवि संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ श्रीमती पंकज मित्तल दीक्षांत भाषण देंगी. समारोह में स्नातक के स्नातकोत्तर के 399 और पीएचडी के 28 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी. पहली बार 54 मेद्यावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडेल दिया जायेगा.

त्रिदिवसीय संसद के प्रमुख डॉ राकेश सोनी ने बताया कि एआईय द्वारा प्रथम आयोजन 14 से 16 मार्च तक विवि के अभिमंच सभागार में किया जा रहा है. कार्यक्रम की मख्य अतिथि श्रीमती मित्तल अध्यक्षता विवि कुलपति प्रो. गुप्ता करेंगी. विशिष्ट अतिथि के रूप में एआईयू के संयुक्त सचिव बलजीत सिंह सेखो, विवि कुलाधिपति प्रो. बलवंत शांतिलाल जॉनी, विधायक शैलेंद्र जैन, महापौर श्रीमती संगीता तिवारी उपस्थित रहेगीं. समापन समारोह के मुख्य अतिथि मंत्री भूपेंद्र सिंह होगें. कुलसचिव संतोष सहगौरा ने वार्ता कें अंत में आभार व्यक्त किया. संचालन डॉ विवेक जायसवाल ने

विश्वविद्यालय का अवां दीक्षांत समारोह संपन्न

डॉ. हरोसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया. दीक्षांत समारीह में मुख्य अतिथि श्री गोपाल भागंव, माननीय कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. संस्कार ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया. भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (हू) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) फ्रेंज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कीं और दीक्षांत भाषण दिया. विश्वविद्यालय की क्लपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कों. अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा परमाल्यार्पण और दोप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम की शुरु आत

ग्रष्ट के प्रति कर्तव्यपालन का संकल्प लेकर कार्य करें - कलाधिपति प्रो. जानी : समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रिम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है. विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है। सभागार में मौजद विद्यार्थियों को पोशाक के माध्यम से बुन्देली अस्मिता के साथ भारतीय अस्मिता को स्थान मिला है। उन्होंने कहा की भारतीय मेधा को बढ़ाने में भारतीय आहार भी अपनी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रारूप निर्माण के लिए डॉ हरोसिंह गौर को उनकी भारतीय सोच के लिए चना गया था। प्रो. जानी ने डॉ. गौर के विकट जीवन



संघर्षों को याद करते हुए बताया कि डॉ गौर ने ज्ञान को मनुष्य के क्रांति का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की, आज नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है। नई शिक्षा नीति अंतरअनुशासिक पद्धति से सर्वांगीण विकास की तस्क विद्यार्थियों को अग्रसर करती है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से राष्ट्र एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति प्रतिबद्ध रहने का अनरोध किया जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण होगा।

गृष्टीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगरु- डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल : समार्गेह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (इ) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल ने मेडल और उपधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी. उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए बधाई देते हुए कहा



कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने पाँच आयामीं की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि यह अवसर इसलिए खास है क्योंकि अमृतकाल महोत्सव मनाया जा रहा है इसके साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वित हो स्त्री है। डिनिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है और इसके साथ ही भारत जी20 की अध्यक्षता भी कर का है। विद्यार्थियों की भी आकांक्षाएँ बढ़ की है, वे 'लाइफ नॉंग लर्नर' बनने के साथ एक अच्छे इंसान भी बनने के लिए प्रेरित हैं। इन सभी बिंदुओं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने शिक्षा नीति में नई तकनीक के साध शिक्षा के पाठ्यक्रम में बदलाव को रेखकित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत है। एक शिक्षक शिक्षा में सहायक के रूप में काम करेगा। डिजिटल कक्षाओं के संचालन से विद्यार्थी उन्हीं कोर्स को पहेंगे जिसमें उन्हें अच्छे शिक्षक पढाएँ। डिजिटल शिक्षा में अपनी सविधा अनुसार विद्यार्थी आईआईटी के प्रोफेसर से पढ़ सकते हैं इसलिए शिक्षक को अपने पढ़ाने की भूमिका पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगृह बन सकता है और उसे विश्वगृह बनाने में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का भी योगदान खेगा।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी चेतना और संवेदना के ध्वजवाहक बर्ने- कलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता : विश्वविद्यालय को कुलपति प्रे. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया, उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदशों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है, विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से लगातार श्रेष्ट प्रदर्शन कर रहा है विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वारा स्वीकृत की गई हैं. शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल किये हैं. सांस्कृतिक परिषद् के माध्यम से विद्यार्थियों ने कई पुरस्कार हासिल किये हैं और विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है, उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रारम्भ किये गए नए पाठ्यक्रमों, नवीन भवनों और नवाचारी गतिविधियों की जानकारी विस्तारपुर्वक साझा की. विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर भी विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों को साझा किया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम एक श्रेष्ट विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान बनायेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मानक स्थापित करेंगे, उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शभकामना देते हुए कहा कि विद्यार्थी डॉ. गौर के पदचिन्हों पर चलकर संस्थान और देश का नाम रोशन करें.

अभिव्यक्ति एक्सपेस

सागर, बुधवार १५ मार्च २०२३

विश्वविद्यालय का ३१वा दीक्षात समारोह संपद्म

बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि

समारोह का यूट्यूब पर हुआ लंडव पसारण

नवनिर्मित बालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

सागर. डॉ. हरीसिंह गीर केन्द्रीय विस्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत स्पार्वेह विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया, दीश्चांत समाग्रेह में मुख्य अतिथि श्री गोपाल भाग्व, माननीय कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. संस्कार ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया, भारतीय विश्वविद्यालय सवाक्ता किया. भारताय विश्वविद्यालय संग, नई दिल्ली (ड्रू) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) फंक्ज मित्तल विशिष्ट अतिथ के रूप में उपस्थित रहीं और दीक्षांत भाषण क रूप में उधारमात रहि और दोखात भाषण दिया, विस्वविद्यालय को क्ष्मणति प्रो. नीलिमा गुन्न ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुन किया, समाग्रेह की अध्यक्षता विस्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. वलवंतवय शांतिलाल जानी ने की, अतिधियों द्वारा डी, गौर और इस के देवी संस्वती की प्रतिमा पर माल्यापंण और दीप प्रकावलन के साथ

कार्यक्रम की शुरुआत हुई. राष्ट्र के प्रति कर्तव्यपालन का संकल्प लेकर कार्य करें -कलाधिपति पो. जानी

समायेह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति ग्रे. बलवंतयय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी रुद्धप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हीं, ऐसी मेरी क्यमना है. विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है। सभागार में मौजूद विद्यार्थियों की पोशाक के माध्यम से बुन्देली विद्याप्तया का पाशाक के माध्यम स बुन्दला अस्मिता के साथ भारतीय अस्मिता कीय स्थान मिला है। उन्होंने कहा की भारतीय मेथा को बद्धाने में भारतीय आहर भी अपनी भूमका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि दिहाँ विश्वविद्यालय के प्रारम निर्माण केलिए डॉ त्ररीसिंह गौर को उनकी भारतीय सोच के हरासक गार का उनका भारतान साथ के सिए चुना गया था। प्रो. जानी ने डॉ. गौरके विकट जीवन संपर्षों को याद करते हुए बताया कि डॉ गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उर्वत का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की. आज नई शिक्षा नीति कद को शुरुआत का, आज नह प्रश्वा नात में ग्राथमिक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है। नह शिक्षा नीति अंतरअनुशासनिक पद्धति से सर्वागीण विकास की तरफ विद्यार्थियों को अग्रसर करती है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से राष्ट्र एवं भारतीय ज्ञान परंपर के प्रति प्रतिबद्ध रहने का अनुरोध किया जिससे उनके उक्कल भविष्यका निर्माण होगा।

राष्ट्रीयशिक्षा नीति केसफल कियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगुरु - डॉ. पंकज मित्तल

समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय समार्गत का वाकार आताप भारताप प्रश्निवाराच्य संग, नई दिखी (हु) की महस्तियव डॉ. (श्रीमती) पंका मित्तल ने मेडल और उपवि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों के वश्यहें दी. उन्होंने श्रवीय श्रिक्षा नीति के क्रियान्यम पर विश्वविद्याराय को बच्चई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय को बचाई दी। उन्होंने रिश्वविद्यालय के सर्वार्थण विकास के रिश् बचाई देते हुए कता कि संस्कृतिक पार्विविध्य से लेकर पुक् कांस्र के निमाण का किये हुए बेड में साकृतिण पुरर्शन कर राह्य है। उन्होंने चौन आसामी की चच्ची करते हुए विद्याधियों को उनके आने वाले साम्य के अस्तार से पर्विचत करवाचा। उन्होंने कहा कि पर अवसर इसलिए खास है

क्योंकि अमृतकाल महोत्सव मनाया जा रहा है इसके साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 क्रियानिवत हो रही है। डिजिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है और इसके साथ ही भारत अण बंद रही है और इसके साथ ही भारत जै20 की अप्तरकता भी कर रहा है। निवासियों की भी अफांखारें बंद रही है, ये लाइफ लीग लगरें बनने के साथ एक उपलेडडेंसन भी बनने के लिए गोर्टित है। इन सभी निंदुओं के लिए गार्टित है। इन्होंने 2020 का महत्वपूर्ण बेग्यता है। उन्होंने शिक्षा नीति में व्हांकने के साथ शिक्षा के पादकका में बदलान को रेखाकित किया। उन्हों का स्वार्थ है। अपने भारकार में पर्यात का रखाका करना उन्होंने कहा कि शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत है। एक शिक्षक शिक्षा में सहायक के रूप में काम करेगा। डिजिटल कक्षाओं के संचालन से कराया। डाजटल कबाओं के संपालन से विद्यार्थी उन्हों कोने को पढ़ी गितमां उन्हें अच्छे शिक्षक पड़ाएँगे। डिंजटल शिक्षा में अपनी सुविधा अनुसार विद्यार्थी अईआईटी के प्रोफेस्स में शेष्ट्र सकते हैं इसकिए शिक्षक को अपने पढ़ाने की भूगिका पर विशेष रूप में ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि खड़ीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरू बन सकता है और उसे विश्वगुरू बनाने में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का

विश्वविद्यालय केविद्यार्थी चेतना और संवेदना के ध्वजनाहक बनें-कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.

नीलिमा गुना ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदशों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है. विश्वविद्यालय अपना शक्षणक गतिविधियों के माध्यम से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर खा है विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वार स्वीकृत की गई हैं शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल किये एव राजावाचा पद जनाड जातरा तर है. सांस्कृतिक परिषद् के माध्यम से विद्यार्थियों ने कई पुरस्कार हासिल किये हैं और विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है उन्होंने विश्वविद्यालय द्वार प्रारम्भकिये गए नए पाठ्यक्रमों, नवीन भवनों और नवाचारी गतिविधियों की भवना आर नवाचार्य गतावावया का जानकारी विस्तारपूर्वक साझा की. विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साध उन्होंने सुद्धीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर भी विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों को साझा किया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान बनावेंगे और क रूप में अपना आपता आपता अक्तूष्ट प्रदर्शन कर मानक स्थापित करेंगे. उन्होंने पदक और डिग्रों प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को गुभकामना देते हुए कहा कि विद्यार्थी डी. गौर के पदचिन्तों पर चलकर

ान और देश का नाम रोशन करें. दीक्षांत विद्यार्थी के जी वन का गौरव शाली



क्षण होता है-गोपाल भार्गव

मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माय, कुटीर एवं ग्रामोद्रीण मंत्री गोपाल भागंत ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विश्वविद्यालय में बीता है. इसलए मेर आत्मीय लगान है. मेरी इस इस्तराय भा आलाग रागक है भा हैता है है तिस्वविद्यालय से जुड़ी कई स्मृतियों हैं. उन्होंने पदक और डिग्री ग्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बग्धर एवं ग्रुभकानान्य यें यें और कह कि लिखाओं अपने जीवन में आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कर्य करना आराभ करें. डॉ. गौर के सपनों को साकार करने के लिए हम सबका कर्तव्य है कि हम सभी देश को

विश्वविद्यालय ध्वज के साथ हुआ दीक्षांत शोभायात्रा का

समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के समाराह म व्यस्तानकारान साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ. जयन्या समागार में आगमन हुआ. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंत शांतिकाल जानी, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, मुख्य अतिध एवं विश्वविद्यालय् कार्यपरिषद एवं निर्वापरिषद्भ के मानगिर्वा सुरस् निद्यापरिषद् के मानगिन सदस्य इस शोभायात्रा में सम्मिलित हुए, शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे.

54 विद्यार्थियों को मिले मेडल. ११ अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को मिली उपाधि

दीक्षांत समारोह में शामिल सभी ११ दक्षित समाराह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूनी, पीजी और पं-एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान को गई, इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपरिश्वति में भी डिग्री प्रदान की गई. विभिन पार्यक्रमों ाडण प्रधान का गढ़, त्यापन पाइपक्रमा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिर्थयों ने मेडल भी प्रधान किया, समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पार्थारिक वेश-भूषा में उपस्थित स्टकर उपाधियों प्राप्तकी.

गौर समाधि पर पुष्पाजलि, नवनिर्मित बालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पर पूर्णांजिल दी. इसके बाद सभी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित बालक खत्रावास के शिलापट्ट के अनावरण के साथ लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न

एनसीसी कैडेट्स ने किया

देखांत समाग्रेह के पूरे आयोजन में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने अभूतपूर्व सहयोग किया. कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्थानी पर मीजूद रहकर वे द्यातन विश्वभि स्थाना पर पानुद स्क्रार व अनुशासन एवं संख्योग में तरहर दिखे. विश्वनिद्यालय के ग्रीक्टोरियल बोर्ड एवं सुख्ता विश्वाग के अधिक्वारियों एवं कर्मचारियों ने भी सुख्ता एवं अनुशासन में सहयोग प्रदान किया. जिल्ला ग्रशासन के अधिक्वारियों ने भी आयोगन में सहयोग किया. मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो, वस्टिं शिक्षक प्रो. पी कठल सहित सभी समन्वयकोँ एवं उनको टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूर्व सहयोग प्रदान

वैक्षांत समारोह का संचालन डॉ. व्यक्षात संसादक का संचालन ड.
अासुनेष ने दिन्या और उज्जीष प्रवा किये
जाने की समस्त कार्रवाई कुलसण्डिव संतोष
सीक्षोग्र ने संपन्न कर्व्य, उन्होंने सभी
अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन भी किया.
सापूर्ण कार्यक्रम का लाइच प्रसारण
विश्वविद्यालय के ईसमआरसी सागर के
युद्युव चीनल से किया गया. कार्यक्रम में पुरुप्त पनत के लग्न गया नव उत्पादन में सागर शहर के गणमान्य नागरिक सहित विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकाण, सेवारत शिक्षक, अधिकारी, जिला प्रशासन के विभिन्न पदाधिकारी, विद्यार्थी, प्रवृद्ध नागरिकगण, सम्माननीय जनप्रतिधि एवं मीडियाकमी बंधुउपस्थित रहे.

पीपुल्स समाचार

विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह संपन्न, छात्रों में रहा उत्साह

डॉ. सर हरीसिंह गौर यूनिवर्सिटी के छात्रों ने बुंदेली वेशभूषा में ली उपाधि



पीपुल्स संवाददाता 🍛 सागर

मो.नं. 9826021098

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शाँतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी उनकी कामना है।

विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है।

कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर भी विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को साझा किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी डॉ. गौर के पदिचन्हों पर चलकर संस्थान और देश का नाम रोशन करें।

मुख्य अतिथि लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भागंव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विश्वविद्यालय में बीता है। इस कारण उनका आत्मीय लगाव है। उनकी इस विश्वविद्यालय से जुडी कई स्मृतियाँ हैं। उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दीं।

समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ।

दीक्षांत समारोह में 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गईं। इसके अतिरक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थित में भी डिग्री प्रदान की गई। विभिन्न पाद्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों में सल्ता समारोह में विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियाँ प्राप्त कीं।

इसके पूर्व गणमान्य अतिथियों ने विवि के नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण किया। समारोह में एनसीसी कैडेट्स प्रोक्टोरियल बोर्ड एवं सुरक्षा विभाग का सहयोग रहा। संचालन डॉ. आशुतोष ने किया।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का अवां दीक्षांत समारोह संपन्न

बुन्देली पारंपरिक वेश-भृषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि

सागर, देशवन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भागंव कैविनेट मंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। भारतीय विवि संघ नई दिल्ली एआईयू की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और दीक्षांत भाषण दिया। कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपित प्रो. वलवंतराय शांतिलाल बानी ने की। अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा

पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जनलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपित प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षांत समारोह में उपिध और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है। समारोह की विशिष्ट अतिथि डॉ. पंकज मित्तल ने मेडल और उपिध



प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विवि को बधाई द्री। उन्होंने विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए बधाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने पांच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया। कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विवि की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदशों पर चलकर यह विवि निरंतर प्रगति कर रहा है। मुख्य अतिथि मंत्री गोपाल भागव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विवि में बीता है। इसलिए मेरा आत्मीय लगाव है। मेरी इस विवि से जुड़ी कई स्मृतियां हैं। उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा में सलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें। दीक्षांत समारोह में शामिल

सभी 11 अध्ययन शालाओं के यूजी, पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई। विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया। समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश.भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियां प्राप्त कों।

विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह संपन्न, र्मित बालक छात्रावास का हुआ लो



ती. हमेसित गोर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सगार का 31वां दीशांत समाफेंद्र विश्वविद्यालय के स्वर्ण व्यक्ती सभागार में आयोजित किया गया. दीशांत समाफेंद्र में मुख्य अर्तियं गोयाल भागंत, कैमिनट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुट्टीर और ग्रामीण उद्योग, नार. सस्कार ने बीडिटो संदेश के माण्यम से संजीधित किया। भारतीय विश्वविद्यालय संत्, मेंद्र दिख्ये को माण्यम दिखां (ब्रीमाणी) भेजन मिलल विशिष्ट आर्थिय के रूप में उपस्थित हों से दीशांत भागण दिया। विश्वविद्यालय की कुट्यांत ग्री. मीडिनाम गुक्त ने स्वाग्व वक्तव्य के साथ दी व्यक्ति ग्रामील प्रतिविद्यालय प्राप्ति क्रांत जाने में की के साथ दी व्यक्ति ग्रामील प्रतिविद्यालय प्राप्तित्राल जानी ने की क साथ हा जाएक प्रगत आवश्यन प्रश्तुत किया दानावा का नाम्यात विश्वविद्यालय के कुलाधियाँत प्रां. बलतकरण शांतिलाल जानी ने की. अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यापंण और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

राष्ट्र के प्रति कर्तव्य पालन का संकल्प लेकर कार्य करें : कुलाधिपति प्रो. जानी

कर : कुट्रााध्यमात प्रो. जाना

माग्रेह को अध्यक्षा नात हुँ यू जुर्वाध्यक्षि ग्रे. चलवंतप्रप शाहित्साल जानी

ते कहा कि दोखान्त समाग्रेह में उद्यक्षि और परक प्राप्त करने वाले सभी
विद्यार्थी पष्टुरेम को सर्वोच्या स्थान देते हुए पारत के निमाण में सलान है,

एंसी नेंदी कमान्य है विश्वविद्यार्थिय मारतीय दूषिकोण से विकास कर हात्र

अध्यक्षा में मौजूद विद्यार्थियों की चाशाक के माण्यम से चुन्देली अस्मिता के

बद्धान में भारतीय आहर भी अपनी भूमिका निभात है। उन्होंने कहा कि दिखी

विश्वविद्यार्थिय के प्राप्त्य मीग्ये के निए द्या डीमिंटन में को उनकी मारतीय

साथ के लिए चुना गया था। ग्रे. जान को समुच्य के उद्यक्ति का मूल और

गाया को साथम मानते हुए अपने द्यार स्थापित विश्वविद्यार्थिय में भारतीय

भागा को साथम मानते हुए अपने द्यार स्थापित विश्वविद्यार्थिय में भारतीय

गायाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की एक बात को। आज नई शिक्षा नीति

में प्राधानक स्थाप भी भाग की बात को आही। र्गमक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है।



भारत बनेगा विश्वगुरु: डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल

भारत लनां । विश्व शुरुः डी. (श्रामता) पर्कतं । भारत समाग्रेट की विशिष्ट अविधि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिन्ने को महात्रीयव डी. (श्रीमती) पंकज मिनले ने मेडल और उपिप प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को कपाई दी. उन्होंने प्रिकार्थवाराम के स्वार्थीय विकास को लिए कपाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकन मुक कोर्स के निमाण तक कि हर होने में प्रकार को लिए कपाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकन मुक कोर्स के निमाण तक कि हर होने में प्रकार को का निमाण तक कि हर होने में स्वार्थीयों को उनके जोत्र का कि उसके साथ के अवसारों से पर्यांत्र कर तह कि उसके साथ के अवसारों से पर्यांत्र कर तह करनार इसके साथ है से उसके साथ है स्वर्धीय से पर्यांत्र कर तह अवसार इसकिए खास है सर्वांत्रिक अभूतकाल मात्रेतस्य मनाया जा रहा है इसके साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 कितानिवार हो रही है। इंडिजटल शिक्षा भी आगे बढ़ है से हैं और इसके साथ है से अपहर सके साथ है। <u>पारत जी20 की अध्यक्षता भी कर रहा है। विद्यार्थियों की भी आकांक्षाएँ बढ़</u>

हों है. वे 'लाइफ लॉप लर्नर' बनने के साथ एक अच्छे इंसान भी बनने के लिए प्रेरित हैं। इन सभी बिंदुओं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी चेतना और संवेदना के ध्वजवाहक बनें: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

ध्वजावाहक वने: कुलपति प्रा. नातिनमा गुप्ता विश्वविद्यालय को मृत्यपित प्रे. नीतिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय को प्रगति प्राया को विद्यातपुर्वक वताया. उन्होंने करते कि डी. गौर के संकल्पों और आरली पर कलकर यह विश्वविद्यालय निर्दार प्रगति कर्म इंद्र हैं। विश्वविद्यालय अपनी जीविध्योग के माण्यम से लगतात श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रख है. विद्यान और समाज विद्यान के शिश्वकों को कई शोध परियोगमार अनुवान प्रदान करते जाता संस्थाओं द्वार स्वेक्ट को गुर्व है. शिश्वकों एवं शोधारियों ने कई अवाई हासिल किने हैं। सांस्कृतिक परियु के माण्या में स्वायाधियों ने कई पुरक्ता हासिल किने हैं और विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्वर पर छात्री दिलाई है. उन्होंने विश्वविद्यालय द्वार प्राप्ता किने पर वार प्रयुक्तकों, नवीन प्रवानों और त्वाचारी गतिविध्यां की जानकारी विस्तारमुर्वक सराहा की. विश्वविद्यालय को उपलिक्यों के साथ उन्होंन एट्रीन शिश्वानी के किनान्यमन पर भी विश्वविद्यालय द्वार किने जा रहे कर्यों की साझा विस्ता

दीक्षांत विद्यार्थी के जीवन का गौरवशाली क्षण होता है: गोपाल भार्गव

मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश सरकार के लोक-निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भागव ने कहा कि हम सबका छत्र जीवन डॉ. गौर विश्वविद्यालय में

जाबा हु. इसालए मेरा आलीय लगाव है. मेरी इस विश्वविदालय से जुड़ी कई स्मृतियाँ हैं. उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बभाई एवं गुरुवामनाएं दी और कहा कि विद्यार्थि अपने जीवन में आगे बढ़ें और गुरु को सेवा में सलना होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें हैं. गौर के सपनों को साकार करने के लिए हाम सबका कर्यक है कि

विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह संपन्न, नवनिर्मित वालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

-भवा मे





सागर। डॉ हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर का 31वां दीक्षांत समारोह विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भागव, मंत्री लोक निर्माण विभाग कुटीर और ग्रामीण उद्योग ने वीडिया संदेश के माध्यम से संबोधित किया। भारतीय विवि संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और भाषण दिया। कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह की ता मुल्तांधर्यात यो बलवंतराय जान गानी ने बी। अतिथियो द्वारा स्र

गौर और जान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान गई। इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपरिथित में भी डिग्री प्रदान की गई। विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों ने मेहल भी प्रदान किया। समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूपा में उपस्थित रहकर उपाधियां प्राप्त र्थी। समारीह के आरंभ भे पूर्व गणमान्य अंतिथवी ने गीर समाधि पर पृथ्वीजील दी।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी चेतना और संवेदना के ध्वजवाहक वर्ने : कुलपति प्रो. गुप्ता

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ गीर के संकल्पों और आदशौं पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। विवि अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने विवि द्वारा प्रारम्भ किये गए नए पाठ्यक्रमों, नवीन भवनों और नवाचारी गतिविधियों की जानकारी विस्तारपूर्वक साझा की,। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम एव श्रेष्ठ विवि के रूप में अपनी पहचान बनायेंगे और उत्कष्ट प्रदर्शन कर मानक स्थापित करेंगे। उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि विद्यार्थी हों गौर के पदचिन्हों पर चलकर संस्थान और देश का नाम रोशन करें।

इसके बाद विवि के नवनिर्मित बालक छात्रावास के शिलापट्ट के अनावरण के साथ लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ।





राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगुरुः डॉ भित्तल

समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ पंकज मितल ने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने पांच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि यह अवसर इसलिए खास है क्योंकि अमृतकाल महोत्सव मनाया जा रहा है इसके साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वित हो रही है। डिजिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है और इसके साथ ही भारत जी20 की अध्यक्षता भी कर रहा है। विद्यार्थियों की भी आकाक्षाएं बढ़ रही हैं। वे लाइफ लॉग लर्नर बनने के साथ एक अच्छे इंसान भी बनने के लिए प्रेरित हैं। इन कर रहा है। विद्यार्थियों को भी आकाक्षाएं बढ़ रहा है। व लाइफ लाग लनर बनन क साथ एक अच्छ इसान भा बनन क ।लए प्रारत है। इन सभी बिंदुओं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने शिक्षा नीति में नई तकनीक के साथ शिक्षा के पाट्यंक्रम में बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत है। एक शिक्षक शिक्षा में सहायक के रूप में काम करेगा। डिजिटल कक्षाओं के संवालन से विद्यार्थी उन्हों कोर्स को पढ़ेंगे जिसमें उन्हें अच्छे शिक्षक पदाएंगे। डिजिटल शिक्षा में अपनी सुविधा अनुसार विद्यार्थी आईआईटी के प्रोफेसर से पढ़ सकते हैं इसलिए शिक्षक को अपने पढ़ाने की भूमिका पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरु बन सकता है और उसे विश्वगुरु बनाने में डॉ हरीसिंह

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगुरु

दीक्षा समारोह • बुंदेली पारंपरिक वेशभूषा में विद्यार्थियों को प्रदान की गई उपाधि, नवनिर्मित बालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गीर केंद्रीय विश्वविद्यालय कर उग्ये दिक्षा सामारिह मंगल्यालय के उग्ये दिक्षा सामारिह मंगल्यालय के उग्ये दिक्षा सामारिह मंगल्यालय के विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समागार में आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यापियों के खुरेले प्राप्त मान्द्री व सफेट कुर्ता पायजामा में उपाधि दी गई, जिसे पाकर विद्यापियों के चेहर खुशी से खिल उठे। इस दौरान विवि परिस्त में छात्रावास का लोकार्पण भी किया गया। वहीं समारोह में मुख्य अतिथि लोक निर्माण विभाग मंत्री गीपाल भागव ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षा समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों। विवि भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि डा. गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उन्नति का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विवि में भारतीय भाषाओं के अध्ययन अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की। आज नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर भी भाषा की बात की जा रही है। नई शिक्षा नीति अंतरअनुशासनिक पद्धति से सर्वांगीण विकास की तरफ विद्यार्थियों को अग्रसर करती है।

शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत हैं: डा. मित्तलः समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय जिंव संघ की महासचिव डा. पंकज मित्तल ने कहा क. सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में संग्रहनीय प्रदर्शन कर रहा



वार्यक्रम के दौरान शोभायात्रा निकाली गई जिसमें शामिल अतिथि विद्यार्थियों के बीच से होते हुए मंच तक पहुंचे। 💿 नवदनिय



दीक्षा समारोह में उपाधि मिलने के बाद उत्साह मनाते छात्र-छात्राएं। @ नवद्विय



कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर उपाधि देती हुई अतिथि। 💿 नव्दुनिया

है। उन्होंने कहा कि शिक्षक को भी सहायक के रूप में काम करेगा। अपनी भूमिका में बदलाव लाने की डिजिटल कक्षाओं के संचालन जरूरत है। एक शिक्षक शिक्षा में से विद्यार्थी उन्हीं कोर्स को पढ़ेंगे दीक्षा विद्यार्थी के जीवन का गौरवशाली क्षण होता है : भार्गव मुख्य अतिथि लोक निर्माण मंत्री वर्षाई एवं शुभकामनाए दी और कहा गोपाल भार्गव ने आनलाइन कार्यक्रम कि विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें

में जुड़ते हुए कहा कि हम सबका 3 छात्र जीवन डा. गौर विवि में बीता है। मेरी इस विश्वविद्यालय से जुड़ी कई द स्मृतियां हैं। उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को ह

जिसमें उन्हें अच्छे शिक्षक पहाएंगे।
डिजिटल शिक्षा में अपनी सुविधा
अनुसार विद्यार्थी आइआइटी के
प्रोफेसर से पढ़ सकते हैं इसिलए
रिक्षक को अपने पढ़ाने की भूमिका
पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल
क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरु बना
सकता है और उसे विश्वगुरु बनानों में
हा. गाँर विवि का भी योगदान

(वशाला क्षण हाता ह : भागव बचाई एवं शुभकाममाएं दी और कहा कि विद्यावी अपने जीवन में आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरंभ करें डा. गौर के सपनी को साकार करने के लिए हम सबका कर्त्य है कि हम सभी क्षेत्र को एक नई हिला है।

शोभायात्रा निकली, विद्यार्थियों को बांटे मेडलः समारोह में विविध्वज के साथ दीक्षा शोभायात्रा का स्वर्ण जयंती सभागार में आगमन हुआ।

शोभापात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे। इसके बाद समारोह में शामिल सभी 11 अध्यवनशालाओं के बूजी, पी-और पी-एचडों के विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। विभिन पाद्यक्रमों

 दीक्षा समारोह में विवि के एनसीसी कैडेट्स ने सहयोग किया

 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी व पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधि दी

में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मंडल दिया। समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने सुल्ले प्रतिपत्ति कर उपाधियां प्राप्त की। इसके पूर्व अतिथियों ने गीर समाधि पर पुणांजलि अपित की। इसके बाद समाधि यो ने विद्यार्थियों ने गीर समाधि पर पुणांजलि अपित की। इसके बाद समाधि को अतिथियों ने विदि के नविनिर्मत वालक छात्रावास का लोकार्थण किया।

समारोह में विवि के एनसीसी कैडेट्स ने सहयोग किया। इस दौरान मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो थे व संचालन डा. आशुतोप ने किया। विद्यार्थी चेतना व संवेदना के ध्वजवाहक वनें- कुलपति

कुलपति प्रो . नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि डा. गौर के संकल्पों और आदर्श पर चलकर यह विवि निरंतर प्रगति कर रहा है। विवि अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है। विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनदान प्रदान करने वाली संस्थाओं ने स्वीकृत की है। शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल करके विवि को राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है। उन्होंने कहा कि हम एक श्रेष्ठ विवि के रूप में अपने पहचान बनाएंगे।

भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा विवि

विवि के 31वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति जानी ने कहा, श्रेष्ठ विवि के रूप में अपनी पहचान बनायेगा विवि :कुलपति

जाती नवभारत न्यूज सागर १४ मार्च. डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का अवां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया.

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. वलवंतराय श्रांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षांत सम्मिरोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम क्रो सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है. विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है. अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासुचिव डॉ. श्रीमती पंकज मित्तल ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराह्वीय प्रदर्शन कर रहा है.



उन्होंने पाँच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया. कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान बनायेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मानक स्थापित करेंगे. मुख्य अतिथि

लोनिवि मंत्री गोपाल भार्गव ने वीडियो से संदेश दिया. समारोह में विवि ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ. दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजीए पीजी और पी.एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई. इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई. विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया.

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजिल दी. एनसीसी कैडेट्स ने किया सहयोग

दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया और उपाधि प्रदान किये जाने की समस्त कार्रवाई कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने संपन्न कराई. मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो, विरष्ठ शिक्षक प्रो. पी कठल सहित सभी समन्वयकों एवं उनकी टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया.

त समारोह में उपाधि लेकर हर्ष से झ

सागर. केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वर्णजयंती सभागार में मंगलवार को 31वें दीक्षांत समारोह का मौका था। विद्यार्थी अपने अध्ययन- शोध के लिए उपाधि मिलने से गौरवान्वित और हर्षित थे। खुशी के इस पल को दोगुना करने वाली सांस्कृतिक घटना भी परिसर में हुई। अवसर देश की पहली महिला छात्र संसद का था। विवि परिसर में लोकसभा की तर्ज पर सजे अभिमंच सभागार मे जनप्रतिनिधियों के रूप में देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों से आई छात्राएं तैयार थी।

सभागार में बेंठे हर व्यक्ति को अनूभृति भी बिलकुल वैसी ही हो रही थी जैसी लोकसभा की कार्रवाई को वे अपने सामने प्रत्यक्ष देख रहे स्वर्ण जयंती सभागार में मंगलवार सुबह 10 बजे तक 31वें दीक्षांत समारोह में शामिल होकर उपाधि लेने बंदेली परिधान में सजे विद्यार्थी पहुंच चुके थे। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री गोपाल भागव आयोजन में ऑनलाइन शामिल हुए। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ.पंकज मित्तल, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता और कुलाधिपति प्रो.बलवंतराय शांतिलाल जानी ने उत्कृष्ट विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं। इस, मौके पर 1053 विद्यार्थियों को उपाधि और मेडल प्रदान किए गए। जिनमें सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं के 439 स्नातक, 399 स्नातकांतर, 28 शोध छात्रों सहित 866 को मंच से उपाधियां मिली जबकि 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि दी गई। कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने स्वागत भाषण और वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की





सागर, कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि।

महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। नई शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वित हो रही है। डिजिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है। हमारा भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है।

सदन के रूप में नजर आया अभिमंच सभागार

दीक्षांत समारोह के अवसर पर विश्वद्यालय ओंग भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन भी अनुटा रहा। पहले दिन

सदन की कार्रवाई से पहले अतिथियों ने देवी सरस्वती और डॉ.हरि सिंह गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन किया। सांस्कृति परिषद के समन्वयक डॉ.राकेश सोनी ने स्वागत भाषण पढ़ा तो कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विवि की गतिविधियों से अवगत कराया। मुख्य अतिथि एआइयू महासचिव डॉ.पंकज मित्तल ने छात्राओं को पूरी क्षमता से आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा 97 साल में महिला छात्र संसद का यह पहला आयोजन है। महिलाओं को स्वयं के प्रति सांच बदलनी होगी वयंकि वे स्वयं को कम आंकती है। किसी

ऐसा केवल सोच की वजह से हैं देश में 75 साल तक सुप्रीम कोर्ट में कोई महिला चीफ जस्टिस नहीं बनी। देश में 1100 विश्वविद्यालय हैं, लेकिन केवल 68 में ही महिला कुलपति हैं। अनुपात में देखें तो परीक्षा परिणामों में अळ्वल छात्राएं रहती हैं। गोल्ड मेडल पाने में वे आगे हैं, लेकिन जब सर्वोच्च पदों पर पहुंचने की बारी आती है तो ये टॉपर कहां चली जाती है। 2019 में लोकसभा में केवल 700 महिलाओं चनाव लडा और 11 प्रतिशत जीतकर अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही है। अनुपात में यह संख्या पुरुषों से दोगुना है, लेकिन फिर भी महिलाओं को अवसर नहीं मिलता। पहली महिला छात्र संसद के आयोजन का उद्देश्य यही है कि महिलाएं स्वयं का सही आकलन

इंजीनियर- डॉक्टर के बारे में सोचो

तो पुरुष का चेहरा सामने आता है।

कलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने विवि में देश के पहले राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के आयोजन का दायित्व

महिला छात्र संसद



वश्य : अभिमंच संभागार के मंच पर अभिभाषण के बाद सदन की आसंदी पर संभापति की मौजूदगी

धानमंत्री के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की छात्रा संकल्प पढ़ते हुए - हर व्यक्ति का अपना घर हो यह संकल्प हमारी सरकार का है। संकल्प जरूर पूरा होगा। 2025 तक सभी को घर उपलब्ध कराएंगे। इसका क्रियान्वयन नेक नियत से किया है। घर एक संस्कार से बनता है। अपने संबोधन के अंत में पंक्ति 'हादसों की जद में हैं तो क्या मुस्कुराना छोड़ दें. जलजलों के खौफ से क्या घर बनाना छोड दें' पढी।

विपक्ष की नेता : (अवधेश प्रतापसिंह विश्वविद्यालय की छात्रा सौम्या विश्वकर्मा) सभापति महोदय, प्रधानमंत्री आवास योजना केवल जनता को भावनात्मक रूप से गुमराह

उसमें गुणवत्ता के साथ काम हो सकता है। पक्ष : पंजाब की लवली युनिवर्सिटी की छात्रा (योजना का समर्थन करते हुए) माननीय, विपक्ष तो योजना को लेकर जनता को भ्रमित कर रहा है जबकि हकीकत कुछ और है। उन्होंने कई राज्यों में

आवास मिलने से लोगों के

जीवन में आए बदलाव के

के लिए जितनी जगह निर्घारित

है क्या उसमें एक परिवार रह

सकता है। जो राशि तय है क्या

मि के सम्प्रे के सम्म

उदाहरण प्रस्तुत किए। विपक्ष : (डॉ. हरिसिंह गौर विवि की छात्रा खुशी सलूजा) योजना की खामियों पर ध्यान आकर्षित करते हुए शेर पढ़ा। उन्होंने कहा योजना केवल सपने दिखाने वाली है। यदि वास्तव में लोगों को आवास उपलब्ध कराना है तो इसमें सधार की जरूरत है।

मिलने पर खुशी जताई और एआईयू का आभार माना। कुलाधिपति प्रो.बलवंतराय शांतिलाल जानी ने विवि के संस्थापक डॉ.हरिसिंह गौर के महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए कार्यों को याद किया। उन्होंने कहा डॉ, गौर ने महिलाओं को अधिवक्ता बनने का अधिकार दिलाया। विवाह में महिलाओं की

स्वीकृति और अंतरजातीय विवाह के लिए एक्ट बनाया। वर्षों से चली आ रही दासी प्रथा से महिलाओं को मुक्ति दिलाई। वे हमेशा नारी कल्याण के लिए चिंतित रहे। इसलिए विवि में हो रही महिला छात्र संसद सांस्कृतिक इतिहास में दर्ज होने वाली घटना है जिसके साक्षी हम सब

दैनिक भारकर सागर, बधवार 15 मार्च, 202: बुदेलखंड की पारंपरिक

पीजी की उपाधि भी दी गई

दोशमूषा में लिए मेडल, यूजी, ताग डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह स्वर्ण जयंती सभागार में मंगलवार को आयोजित किया गया। इसमें अलग-अलग पाठ्यक्रमों में सबसे अधिक अंक हासिल करने वाले 54 विद्यार्थियों को मेडल व सभी 11 अध्ययन शालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचड़ी के विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गोपाल भागव रहे। विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ. पंकज मितल रहीं। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत के साथ ही सालाना रिपोर्ट दी। समारोह में सभी विद्यार्थी बुंदेलखंड की पारंपरिक वेश-भूषा में शामिल हुए।



31वां दीक्षांत समारोह: डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में संपन्न हुआ

सागर

११ अध्ययनशालाओं के ५४ स्टूडेंट विश्वविद्यालय पदक से हुए सम्मानित, समारोह में ८८६ विद्यार्थियों को मिली डिग्री

प्रवेश संवाद 🕮 सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर का 31वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान 886 विद्यार्थियों को डिग्री दी गई। वहीं 11 अध्ययनशालाओं के 54 विद्यार्थी मेडल से सम्मानित हुए। समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंत शांतिलाल जानी, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य इस शोभायात्रा में सम्मिलित हुए। शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे।

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि लोकनिर्माण मंत्री गोपाल भागव ने वीडियो संदेश के माध्यम से विद्यार्थियों को संबोधित किया। मंत्री गोपाल भागव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गीर विश्वविद्यालय में बीता है। इसलिए मेरा आत्मीय



लगाव है। उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल उपस्थित रहीं।

राष्ट्र के प्रति कर्तव्यपालन का संकल्प लेकर कार्य करें: कुलाधिपति

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है। सभागर में मौजूद विद्यार्थियों की पोशाक के माध्यम से बुन्देली अस्मिता के साथ भारतीय अस्मिता को स्थान मिला है। प्रो. जानी ने कहा कि आज नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है। नई शिक्षा नीति अंतर अनुशासनिक पद्धति से सर्वांगीण विकास की तरफ विद्यार्थियों को अग्रसर करती है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिबंदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. गीर के संकल्पों और आदशी पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। विश्वविद्यालय शैक्षणिक गतिविधियों से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है।

शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्रगुरु: डॉ. मित्तल

समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मुक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरु बन सकता है और उसे विश्वगुरु बनाने में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का भी योगदान रहेगा। दीक्षांत समारोह के पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि दी। इसके बाद सभी अतिथियों ने विश्वविद्यालय के नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण किया। दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया और आभार प्रभारी कुलसचिव डॉ. संतोष सोहगीरा ने माना। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण इंएमआरसी सागर के युटयुव चैनल से किया गया।

दीक्षांत समारोह की सजीव प्रसारण लिंक

https://www.youtube.com/watch?v=AtL js0EK84

सोशल मीडिया पर प्रसारित ख़बरें

- 1. https://www.sagarwatch.in/2023/03/convocation-ceremony-convocation-is.html
- 2. https://www.publicvibe.com/post/1678452189719149167?utm_source=share&utm_medium=and-roid&userid=1638075995403565150
- 3. https://www.teenbattinews.com/2023/03/31-14-14-16.html?m=0
- 4. https://ncrsamacharlive.in/newsdetails/latest_Post/madhya-pradesh-rehearsal-of-convocation-ceremony-held-at-sagar-dr-harisingh-gour-university-golden-jubilee-auditorium
- https://www.etvbharat.com/hindi/madhya-pradesh/state/sagar/sagar-university-convocationstudents-receive-degree-wearing-bundeli-turbanrehearsalcontinues/mp20230313105646032032777
- 6. https://youtu.be/cZccqdiXshs
- 7. https://www.youtube.com/live/AtL_js0EK84?feature=share
- 8. https://bharatbhvh.com/universitys-31st-convocation-on-march-14/
- 9. https://khabarkaasar.com/2023/03/first-national-womens-student-parliament-will-be-organized-from-march-14-to-16/
- 10. https://www.teenbattinews.com/2023/03/gour-vishwavidyalaya-sagar.html?m=0
- 11. https://www.sagarwatch.in/2023/03/convocation-ceremony-digital-education.html

Convocation - 2023 Advisory Committee

Prof. Neelima Gupta	Hon'ble Vice Chancellor	Chairperson
Prof. P.K. Kathal	Dept. of Applied Geology	Member
Prof. Sanjay K. Jain	Dept. of Pharmaceutical Sciences	Member
Prof. A.D. Sharma	Director, Students' Affairs	Member
Prof. G.L. Puntambekar	Dept. of Commerce	Member
Prof. Chanda Bain	Proctor	Member
Prof. Devasish Bose	Finance Officer (I/c)	Member
Prof. H. Thomas	Dept. of Applied Geology	Member
Prof. Naveen Kango	Director, Academic Affairs	Convenor
Shri Santosh Sohgaura	Registrar (Offg.)	Member
Shri Satish Kumar	Dy. Registrar (Academics)	Member

Committees & Conveners

Name of the Committee	Convenor	Members	
Degree Committee (DC) and	Dr. Surendra Gadewar,	Prof. D.K.Nema	
Medal Committee (MC)	I/c CoE	Prof. B.K.Shrivastava	
		Dr. Goutam Prasad	
		Dr. KK Rao	
		Dr. Arvind Mishra	
		Dr. Pradeep Tiwari	
Robe Design & Distribution	Prof. A. D. Sharma	Dr. Preeti Wadhwani	
Committee (RDDC)		Dr. Pankaj Singh	
		Dr. Ashutosh Mishra	
		Dr. Vivek Jaiswal	
		Dr. Sanjay Kumar Sharma	
Bouquet and Memento Committee	Prof. H. Thomas	Shri Madhav Chandra	
Dias Pandal &	Prof. Sanjay K. Jain	Prof .Varsha Sharma	
Decoration Committee (DPDC)	- Convenor	Prof. Ashish Verma	
	Shri Rahul Giri Goswami,	Prof. Vandana Soni	
	Co-convenor	Dr. Sunit Walia	
		Dr. Shalini Choitharani	
		Dr. Pankaj Tiwari	
		Shri Deepak Singhai	
		Miss Nidhi Jain	
		Shri Sohail Ahmed Qureshi	
Legal Committee (LC)	Prof. Y. S. Thakur	Dr. Anupama Pandit Saxena	
		Shri Brij Bhushan	
Finance Committee (FC)	Prof. Devashish Bose	Shri Vivek Visaria	
		Shri Deepak Shakya	
		Mr. Lokesh Uike	
Invitation Committee (IC)	Prof. Subodh Jain -	Prof. Varsha Sharma	
	Convenor	Dr. Ritu Yadav	
	Registrar - Co-convenor	Dr. Rani Dubey	
		Dr. Rakesh Soni	
		Dr. Pankaj Tiwari	
		Dr. Pradeep Tiwari	
		Shri Bhagat Singh	
Convocation Booklet & Souvenir	Prof. Umesh Patil	Prof. Shweta Yadav	
Committee (CBSC)		Dr. Ashutosh Mishra	

Transport Committee (TC)	Shri Satish Kumar	Shri Deepak Shakya
		Shri RK Pal
		Shri Yogesh Namdev
Accommodation Committee (AC)	Prof. Sanjay K. Jain	Prof. Vandana Soni
` '	<i>9 0</i>	Prof. Umesh Patil
		Dr. Pankaj Tiwari
		Shri Samarth Dixit
Refreshment Committee (RC)	Prof. Vandana Soni -	Prof. Chanda Ben
()	Convenor	Dr. Sandhya Patel
		Dr. Pawan Kumar Sharma
	Prof. Ratnesh Das - Co-	Shri Deepak Shakya
	convenor	Dr. Awadhesh PS Tomer
Vandana Committee (VNC)	Dr. Lalit Mohan	Dr. Rahul Swarnkar
(11,0)		Dr. Awadhesh PS Tomer
Programme Committee (PC) and	Prof. P. K. Kathal	Prof Devashish Bose
Convocation Procession	1101. 1. IX. IXIIIII	Prof. B I Guru
Committee (CPC)		Dr. K. N. Jha
Committee (Cr C)		Dr Rakesh Soni
		Shri Bhagat Singh
Proctorial Board & Student	Prof. Chanda Bain-	Prof. Diwakar Singh Rajput
Discipline Committee (PBSDC)	Convenor	Prof. Ashok Kumar Ahirwar
Discipline Committee (1 BSDC)	Convenor	
		Dr. Shri Bhagwat
		Dr. Rashmi Singh Dr. Ritu Yadav
		Dr. Rajendra Yadav
		Dr. Rakesh Soni
		Dr. Pawan Kumar Sharma
		Dr. CP Upadhyay
		Dr. K. S. Mathur
		Dr. Krishna Kumar
		Dr. Veerendra Singh Matsaniya
		Dr. Sanjay Baroliya
		Dr. Afreen Khan
		Dr. Shalini Choithrani
Web-Cell and Online System	-	Dr. Anurag Shrivastava
Committee (WOC), Press and	•	Dr. Pankaj Tiwari
Media Committee (PMC) and	,	Shri Sachin Kumar Goutam
Digital Media Committee (DMC)	convenor	Shri Madhay Chandra
	Convenor	
	convenor	Shri Rajendra Vishwakarma
		Shri Rajendra Vishwakarma Shri Bhartesh Jain
Medical Committee (MC)	Dr. Abhishek Jain	Shri Rajendra Vishwakarma
Medical Committee (MC)	Dr. Abhishek Jain Dr. Kiran Maheshwari,	Shri Rajendra Vishwakarma Shri Bhartesh Jain
` ,	Dr. Abhishek Jain Dr. Kiran Maheshwari, Co- convenor	Shri Rajendra Vishwakarma Shri Bhartesh Jain Dr. Bhupendra Kumar Patel Shri Arun Sirothiya
Medical Committee (MC) Security Arrangement Committee	Dr. Abhishek Jain Dr. Kiran Maheshwari,	Shri Rajendra Vishwakarma Shri Bhartesh Jain Dr. Bhupendra Kumar Patel
` ,	Dr. Abhishek Jain Dr. Kiran Maheshwari, Co- convenor	Shri Rajendra Vishwakarma Shri Bhartesh Jain Dr. Bhupendra Kumar Patel Shri Arun Sirothiya
Security Arrangement Committee	Dr. Abhishek Jain Dr. Kiran Maheshwari, Co- convenor Dr. Himanshu Kumar	Shri Rajendra Vishwakarma Shri Bhartesh Jain Dr. Bhupendra Kumar Patel Shri Arun Sirothiya Dr. Krishna Kumar
Security Arrangement Committee NCC Officers on Student	Dr. Abhishek Jain Dr. Kiran Maheshwari, Co- convenor Dr. Himanshu Kumar	Shri Rajendra Vishwakarma Shri Bhartesh Jain Dr. Bhupendra Kumar Patel Shri Arun Sirothiya Dr. Krishna Kumar Dr. Dharmendra Kumar Saraf
Security Arrangement Committee NCC Officers on Student Discipline Committee	Dr. Abhishek Jain Dr. Kiran Maheshwari, Co- convenor Dr. Himanshu Kumar Dr. Usha Rana	Shri Rajendra Vishwakarma Shri Bhartesh Jain Dr. Bhupendra Kumar Patel Shri Arun Sirothiya Dr. Krishna Kumar Dr. Dharmendra Kumar Saraf Dr. Gautam Prasad
Security Arrangement Committee NCC Officers on Student Discipline Committee	Dr. Abhishek Jain Dr. Kiran Maheshwari, Co- convenor Dr. Himanshu Kumar Dr. Usha Rana	Shri Rajendra Vishwakarma Shri Bhartesh Jain Dr. Bhupendra Kumar Patel Shri Arun Sirothiya Dr. Krishna Kumar Dr. Dharmendra Kumar Saraf Dr. Gautam Prasad Dr. Sunit Walia
Security Arrangement Committee NCC Officers on Student Discipline Committee	Dr. Abhishek Jain Dr. Kiran Maheshwari, Co- convenor Dr. Himanshu Kumar Dr. Usha Rana	Shri Rajendra Vishwakarma Shri Bhartesh Jain Dr. Bhupendra Kumar Patel Shri Arun Sirothiya Dr. Krishna Kumar Dr. Dharmendra Kumar Saraf Dr. Gautam Prasad Dr. Sunit Walia Dr. Y. Bhargava
Security Arrangement Committee NCC Officers on Student Discipline Committee	Dr. Abhishek Jain Dr. Kiran Maheshwari, Co- convenor Dr. Himanshu Kumar Dr. Usha Rana	Shri Rajendra Vishwakarma Shri Bhartesh Jain Dr. Bhupendra Kumar Patel Shri Arun Sirothiya Dr. Krishna Kumar Dr. Dharmendra Kumar Saraf Dr. Gautam Prasad Dr. Sunit Walia Dr. Y. Bhargava Dr. Sarvendra Yadav





SagarUniversity DoctorGour Gour Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन कार्यालय, मीडिया अधिकारी डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website-www.dhsgsu.edu.in